सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 25 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 08 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

श्रीकंचनपथ परिवार ने मनाया अपना 17वां स्थापना दिवस, केक काटकर मनाई खुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले का लोकप्रिय एवं विश्वसनीय समाचार पत्र 'श्रीकंचनपथ' ने अपनी स्थापना के 16 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर 17वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। समाचार पत्र के स्थापना दिवस के मौके पर भिलाई के आकाशगंगा स्थित प्रधान कार्यालय में केक काटकर खुशियां मनाई गई। समारोह के दौरान श्रीकंचनपथ परिवार के सभी सदस्यों ने अपने अनुभव बांटे। प्रधान संपादक राजेश अग्रवाल ने सभी सदस्यों को बधाई दी और आगे इस सफर सफलतापूर्वक जारी रखने सभी को प्रेरित किया।

स्थापना दिवस के मौके पर दीप प्रज्वलनक कर आराधना की गई। इसके पश्चात केक काटकर स्थापना दिवस की खुशी मनाई गई। इस मौके पर समाचार पत्र के प्रधान संपादक, प्रबंधक, संवाददाता, पेज डिजाइनर सहित कार्यालय के सभी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने श्रीकंचनपथ की निरंतर प्रगति एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रधान संपादक राजेश अग्रवाल ने कहा – श्रीकंचनपथ की यह 16 वर्षों की यात्रा हमारे सभी सहयोगियों, पाठकों और शुभचिंतकों के अटूट विश्वास का परिणाम है। हमने सदैव पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना है और आगे भी इसी भावना के साथ निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के मार्ग पर चलते रहेंगे। हमारा संकल्प है कि श्रीकंचनपथ प्रदेश के हर कोने तक सच्ची, सटीक और सार्थक खबरें पहुंचाए।

श्रीकंचनपथ समाचार पत्र की स्थापना 13 अक्टूबर 2009 को हुई थी। अपनी स्थापना के बाद से ही यह समाचार पत्र दुर्ग जिले के भिलाई से सांध्य दैनिक के रूप में प्रकाशित होता आ रहा है। श्रीकंचनपथ ने अपने पाठकों को छत्तीसगढ़, देश और विदेश की महत्वपूर्ण खबरों से अवगत कराने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। समाचार पत्र की यात्रा में श्रीकंचनपथ ने पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को

प्रमुखता दी है। समाचार पत्र ने न केवल खबरों को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ प्रस्तुत किया है, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने का कार्य भी किया है। अब 17 वें वर्ष में पदार्पण कर निरंतर जन सरोकार की खबरों को पाठकों तक पहुंचाने संकल्पित हैं।

खास-खबर

ठंडी हवाओं से पारा गिरा, अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड बढ़ने लगी है। अगले तीन दिन में टेम्प्रेचर और गिरेगा। मौसम विभाग के मुताबिक 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। दरअसल, उत्तर दिशा से ठंडी हवाएं आने लगी हैं, जिससे तापमान में गिरावट की संभावना बनी हुई है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मौसम में मलेरिया फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है। यह खतरा 11 नवंबर तक बना रह सकता है। पिछले कुछ दिनों से रायपुर में दिन का तापमान लगातार प्रदेश में सबसे ज्यादा रहा है। वहीं सूरज ढलते ही तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में ऑफिस जाने वाले, स्कूली बच्चों को गर्म कपड़े साथ रखने चाहिए। ताकि अचानक तापमान गिरने का असर तबीयत पर न पड़े। पिछले 24 घंटों में भी प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 31.5एष्ट रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

एक से 19 दिसंबर तक चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र, राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी

नईदिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के शीतकालीन सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह सत्र 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 19 दिसंबर 2025 तक चलेगा।

किरेन रिजिजू ने ट्वीट में लिखा भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने 1 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन)। एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की आशा है जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। इससे पहले संसद का मानसून सत्र 21 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। मानसून सत्र में एसआईआर पर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के 166 घंटे बर्बाद हो गए थे। इससे जनता के टैक्स के करीब 248 करोड़ रुपये डूब गए। विशेष चर्चा के बाद ऑपरेशन सिंदूर मामले में टकराव टला।

नगरीय निकायों में सभी सुविधाएं होंगी ऑनलाइन, यूपीआई से होगा भुगतान

शहरी नागरिकों के हित में नगरीय प्रशासन विभाग का बड़ा फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन एवं उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य में ई-गवर्नेंस परियोजना के तहत शहरी प्रशासन को अधिक दक्ष, पारदर्शी और नागरिक केंद्रित बनाने का बड़ा फैसला लिया गया है। राज्य शहरी विकास अभिकरण प्रदेश के सभी 192 नगरीय निकायों में नागरिक सेवाओं को पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध कराएगा। यह पहल एक राज्य – एक प्लेटफार्म और डिजिटल छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार करेगा।

उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय प्रशासन विभाग की इस नई पहल के बारे में कहा कि ई-गवर्नेंस परियोजना सुशासन के नए युग की शुरुआत होगी। इससे नागरिकों को सभी शहरी सेवाएँ घर बैठे, समय पर और पारदर्शी रूप से मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा शासन को लोगों के और पास लाएगी और अब शासन जनता के द्वार पर की सोच धरातल पर दिखेगी।

एक ही पोर्टल से निकायों को सभी सुविधाएं ऑनलाइन

परियोजना के तहत एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा, जिसमें नागरिक सेवा पोर्टल, मोबाइल एप्लीकेशन, भवन अनुमति प्रणाली, वित्तीय प्रबंधन प्रणाली, शिकायत निवारण मॉड्यूल, ठोस

अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली तथा निर्णय सहायता डैशबोर्ड जैसी प्रमुख सेवाएं सम्मिलित होंगी। ये सभी मॉड्यूल क्लाउड आधारित डेटा सेंटर से संचालित होंगे, जिससे सभी नगरों का डेटा सुरक्षित, एकीकृत और रियल-टाइम में उपलब्ध रहेगा।

एआई और डेटा एनालिटिक्स का भी उपयोग

ई-गवर्नेंस परियोजना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स का भी उपयोग किया जाएगा। यह प्रणाली नागरिकों के शिकायतों के पैटर्न का विश्लेषण कर संभावित समस्याओं का पूर्वानुमान लगाएगी और अधिकारियों के प्रदर्शन का आंकलन करेगी। इससे नीतिगत निर्णयों में सटीकता आएगी और शहरी निकायों का संचालन स्मार्ट गवर्नेंस के स्तर पर पहुंचेगा।

आम लोगों के ध्यान में रखकर बनाई गई परियोजना

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि यह परियोजना आम लोगों को केंद्र में रखकर बनाई गई है और बेहतर प्रशासन की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि ई-गवर्नेंस प्रणाली शुरू होने से पूरे राज्य के नगरीय निकायों का कामकाज एक जैसा और पारदर्शी होगा। फैसले अब तथ्यों और तकनीक के आधार पर लिए जाएंगे, जिससे लोगों को तेज़ और भरोसेमंद सेवाएं मिलेंगी। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के विज़न पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन सरकार की मुहर है। इससे छत्तीसगढ़ में ऐसा सिस्टम बनेगा, जहां जनहित की सुविधाएं कागजों पर नहीं बल्कि डिजिटल माध्यम से घर बैठे भी मिलेंगी। नागरिकों को लगेगा कि सरकार सच में उनके द्वार पर है।

सभी कर ऑनलाइन जमा होंगे

ई-गवर्नेंस प्रणाली से लोग अपने मोबाइल या कम्प्यूटर से प्रत्येक सेवा का लाभ ले सकेंगे। संपत्ति कर, जल कर, व्यापार कर और ठोस अपशिष्ट शुल्क जैसी सभी देनदारियाँ ऑनलाइन जमा की जा सकेंगी। नागरिकों को बैंक, यूपीआई, वॉलेट या नेट-बैंकिंग जैसे माध्यमों से त्वरित भुगतान की सुविधा मिलेगी, जिससे राज्य के राजस्व संग्रह में वृद्धि होगी।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी की पकड़ में आया बांग्लादेशी नागरिक

- मुंबई से भागकर पहुंचा, जीआरपी की हिरासत में शख्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेलवे स्टेशन में शुक्रवार की रात को जीआरपी ने कुर्ला एक्सपेस से एक बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया है। बांग्लादेशी नागरिक मुंबई से भागकर पहुंचा था और कोलकाता से बंगाल भागने की फिराक में था। बांग्लादेशी नागरिक के पास किसी भी प्रकार का वैद्य दस्तावेज नहीं मिला। जीआरपी ने इसकी सूचना मुंबई पुलिस को दे दी है। शनिवार को मुंबई की पुलिस की टीम दुर्ग पहुंची और बांग्लादेशी नागरिक को ले जाने की तैयारी में है।

दरअसल मुंबई पुलिस से दुर्ग जीआरपी को गोपनीय सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि मुंबई से भागे बांग्लादेशी नागरिक की सूचना वहां की पुलिस से सर्कुलेट किया था। इसके बाद रेलवे स्टेशन पर जीआरपी की टीम एक्टिव हुई। 7 नवंबर की देर शाम जैसे ही कुर्ला शालीमार एक्सप्रेस स्टेशन पर रुकी तो जीआरपी ने तलाशी शुरू की। जीआरपी की टीम ने एस-1 कोच में दबिश दी। यहां से पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसकी पहचान अजमीर शेख, निवासी बांग्लादेश के रूप में हुई।

जीआरपी थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी ने ट्रेन का जनरल टिकट खरीदा था, बाद में टीटी से बात कर स्लीपर कोच (एस-1) में अपनी सीट बनवा ली थी। राजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी अजमीर शेख के पास किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज पासपोर्ट, वीजा या पहचान पत्र नहीं मिला।

उसके खिलाफ मुंबई में पहले से एफआईआर दर्ज है। दुर्ग जीआरपी के द्वारा बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिए जाने की सूचना मुंबई पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद मुंबई की टीम फ्लाइट से पहले रायपुर और उसके बाद दुर्ग पहुंच गई है।

छत्तीसगढ़ में बिना ट्रेड-लाइसेंस नहीं चलेंगी दुकानें गुमटी से लेकर मॉल की दुकानें तक शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब गुमटी से लेकर मॉल तक की दुकानों को ट्रेड लाइसेंस लेना अनिवार्य हो गया है। शुक्रवार को राजपत्र में इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। अगर कोई यह लाइसेंस नहीं लेता है तो अब वह दुकान नहीं चला पाएगा।

नगरीय प्रशासन विभाग ने 192 निकायों में ट्रेड लाइसेंस का नियम लागू कर दिया है। इस नियम में नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों के लिए सड़क और बाजार के आधार पर तीन कैटेगरी में रेट भी जारी किए हैं। इसके साथ ही हर 2 साल में इन रेट में 5त्न की वृद्धि भी की जाएगी। यही नहीं दुकानदार अब 10 साल का शुल्क एक ही बार जमा कर सकेंगे। नगर निगम में अधिकतम शुल्क 30 हजार, पालिका में 20 और पंचायत में 10 हजार रुपए सालाना तय किया गया है।

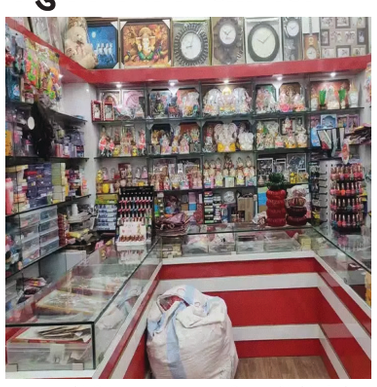

बता दें कि अब तक 45 निकायों में ही ट्रेड लाइसेंस की व्यवस्था थी। सभी निकायों के रेट भी अलग-अलग थे। 99 फीसदी दुकानदार श्रम विभाग से गुमाश्ता लेकर काम करते थे। जबकि ट्रेड लाइसेंस सिर्फ वही लेते थे जिन्हें बैंक से लोन लेना होता था। अब यह सभी पर लागू होगा।

बस्तर में एनआईए की रेड : अरनपुर ब्लास्ट से जुड़ा मामला

- लेवी वसूली-पत्र समेत कई दस्तावेज बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों के 12 स्थानों पर छापेमारी की है। शुक्रवार को यह छापेमारी प्रतिबंधित CPI (माओवादी) आतंकवादी संगठन के सशस्त्र कैडरों के किए गए आईईडी विस्फोट और घात लगाकर किए गए हमले से जुड़े 2023 के एक मामले में की गई।

26 अप्रैल को दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर जवानों से भरी एक वाहन को उड़ा दिया था। जिसमें वाहन चालक समेत 11 जवान शहीद हुए थे। मामला NIA के पास पहुंचा। इस मामले के संदिग्ध लोगों की तलाशी के लिए एनआईए ने दंतेवाड़ा और सुकमा जिले में कुल 12 ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की है।

एनआईए के प्रेस रिलीज के मुताबिक, इस कार्रवाई में कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। नकदी, हस्तलिखित पत्र और माओवादियों के लेवी वसूली से संबंधित रसीदें हैं। साथ ही संदिग्ध आरोपियों के डिजिटल उपकरण शामिल हैं। इस घातक नरसंहार में शामिल सीपीआई माओवादी कार्यकर्ताओं से जुड़े पाए गए हैं। एनआईए ने इस मामले में अपनी जांच जारी रखी है। जिसमें अब तक 27 गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ दो आरोपपत्र दायर किए जा चुके हैं।

जानिए क्या है अरनपुर ब्लास्ट

दरअसल, 25 अप्रैल 2023 को दंतेवाड़ा DRG की 6 टीमों को नक्सल ऑपरेशन पर भेजा गया था। इसमें करीब 300 से ज्यादा जवान शामिल थे। इस दौरान अरनपुर-समेली कैंप के बीच में पहले से ही सड़क पर एक 50 किलो की आईईडी प्लांट थी। इसी बीज जवान नक्सल ऑपरेशन से गाड़ियों से कैंप लौट रहे थे, तभी नक्सलियों ने जवानों की गाड़ी को निशाना बनाकर उड़ा दिया। इसमें 10 जवान और एक ड्राइवर की जान गई थी। सड़क से करीब 70 से 80 मीटर लंबा तार जंगल की तरफ बिछा मिला था। गाड़ी में सवार 10 जवान और एक वाहन चालक के शरीर के चिथड़े उड़ गए। करीब 60 से 70 मीटर दूर तक गाड़ी के पार्ट्स और जवानों के शरीर के अंग बिखर गए। सड़क पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया था। इस वारदात को नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने अंजाम दिया था।

इनके हवाले किए जाएं मवेशी और कुत्ते

श्रीकंचनपथ

राजस्थान हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी कुत्तों और हाईवे पर विचरने वाले आवारा मवेशियों के खिलाफ सख्त आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि स्कूल, कालेज, अस्पताल और बस स्टैंड से आवारा कुत्तों को दूर रखा जाए। इन जगहों पर बाड़ लगाई जाए ताकि कुत्ते यहां प्रवेश न कर सकें। कोर्ट ने कहा कि पकड़े गए आवारा कुत्तों को उसी जगह पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था। उन्हें शेल्टर होम में रखा जाएगा। इससे पहले कोर्ट ने 3 नवम्बर को कहा था कि वह सरकारी बिल्डिंग्स के कैम्पस में कुत्तों को खाना खिलाने के नियम के लिए निर्देश जारी करेगा। साथ ही कोर्ट ने सभी नेशनल और स्टेट हाईवे से आवारा पशु हटाने का आदेश भी दिया। कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव को आदेशों का सख्ती से पालन कराने को कहा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सभी नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की मौजूदगी की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर लगाने होंगे। 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के काटने से लोगों को रेबीज होने और उनकी मौत की खबरों का स्वतः संज्ञान लेकर यह मामला शुरू किया था। तब से अब तक किस्तों में बहुत सारे सुझाव दिये गये हैं पर किसी का भी अनुपालन सुनिश्चित नहीं हो सका है। कुत्तों के काटने से रेबीज हो या न हो, लोग घायल तो होते ही हैं। वहीं कुत्तों से टकराकर या कुत्तों के गाड़ी के नीचे आ जाने पर दुपहिया सवारों के हाथ पैर टूटने की खबरें भी आती रहती हैं। हाईवे पर मवेशियों के कारण न केवल जाम लगता है बल्कि इनसे टकराने और इन्हें बचाने की कोशिश में भी हादसे होते हैं। पर हर बार बात पशु प्रेमियों की हाल दुहाई पर आकर अटक जाती है। उन्हें लगता है कि पशुओं के साथ ज्यादती हो रही है। खुद याचिकाकर्ता और वकील नंनिता शर्मा भी कहती हैं कि कोर्ट का यह फैसला अत्यंत कठोर है। फिर भी वे ईश्वरीय न्याय में विश्वास रखती हैं कि बेजुबान जानवरों के साथ अन्याय नहीं होगा। दोनों अपनी-अपनी जगह सही हैं पर इंसानों की सुरक्षा का प्रबंध करना शासन का काम है। कुत्तों को गोद लेने वाले संस्थान तो हैं पर सड़कों पर भटकने या विश्राम करने वाले मवेशियों की जिम्मेदारी लेने वाले विरले ही मिलते हैं। इनके मालिकों की सेहत पर भी कोई खास असर नहीं पड़ता। ऐसे में याद आती है उन मवेशी प्रेमियों की जो किसी न किसी बहाने पशु तस्करी के संदिग्ध मामलों में कानून अपने हाथ में ले लेते हैं। कई बार तो ये आरोपियों की जान तक ले लेते हैं और उन्हें इस बात का कोई अफसोस नहीं होता। ऐसे में इन्हीं संस्थाओं को मवेशियों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंप देनी चाहिए। सरकार चाहे तो इन संस्थानों का वित्तपोषण कर सकती हैं। पर पूरी जिम्मेदारी इन एनिमल लवर्स की होगी।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन का कहर जारी

सेहत-समृद्धि लील रहे हैं मौसमी बदलाव

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

> **विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। वे विकास के तमाम संसाधनों का निर्मम दोहन करने के बाद अपनी गरीब आबादी को को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने में जुटे विकसित देशों पर जलवायु परिवर्तन से बचाव के उपायों को लागू करने के लिये लगातार दबाव बना रहे हैं।**

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। वे विकास के तमाम संसाधनों का निर्मम दोहन करने के बाद अपनी गरीब आबादी को को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने में जुटे विकसित देशों पर जलवायु परिवर्तन से बचाव के उपायों को लागू करने के लिये लगातार दबाव बना रहे हैं। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार, मानवजनित पीएम-2.5 प्रदूषण भारत में 2022 के दौरान 17 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार था। इसमें कोयला और तरल गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से होने वाले उत्सर्जन का 44 फीसदी योगदान था। इसके साथ ही सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से पैदा प्रदूषण से करीब 2.69 लाख मौतें हुईं। रिपोर्ट में दर्शाई गई सबसे बड़ी चिंता श्रम के घंटों के नुकसान और कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी नुकसान का होना है। यह संकट जहां बड़े विस्थापन को जन्म दे सकता है, वहीं हमारी खाद्य शृंखला संकटग्रस्त हो सकती है, जिसके लिए देश में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसलों की किस्मों की खोज जरूरी हो जाती है। यदि हम ऐसा कर पाते हैं तो फसलों पर जलवायु परिवर्तन प्रभावों को कम किया जा सकता है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने यह मुश्किल सबसे बड़ी है। वहीं भारत सरकार और किसानों के सामने यह वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती है।'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

राजद-कांग्रेस का गठबंधन टूटते टूटते बचा

दिल्ली से लेकर पटना तक की मीडिया में चर्चा है कि बिहार में राजद के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूटते टूटते बचा और वह भी तब, जब सोनिया गांधी ने दखल दिया और राहुल गांधी सक्रिय हुए। कहा जा रहा है कि राहुल देश के किसी भी हिस्से में रहे लेकिन वे पटना में नेताओं के लगातार संपर्क में थे और हर घटनाक्रम की समीक्षा कर रहे थे। अंत में सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को पटना भेजा। उनके बाद अविनाश पांडे भी पटना भेजे गए। वे पटना में समन्वय देखेंगे। यह आम धारणा है कि अशोक गहलोत पटना गए तो उन्होंने जादूगरी दिखाई और गठबंधन को टूटने से बचा लिया। उन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव से बातचीत की और उसके बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का दावेदार और मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री का दावेदार घोषित किया गया।

अजीत द्विवेदी

अब सवाल है कि क्या कांग्रेस तेजस्वी को चेहरा घोषित करने के बदले जो चाहती थी वह उसको मिल गया? इस सवाल का जवाब है कि कांग्रेस को तेजस्वी का नाम घोषित करने के बदले में कुछ नहीं मिला। कह सकते हैं कि 'न खुदा मिला न विसाले सनम'। बेइज्जती अलग से हुई। कांग्रेस को घुटने टेक कर नौ सीटें छोड़नी पड़ी, जिसमें जीती हुई सीट भी है। क्वालिटी सीट के नाम पर कोई अच्छी या नई सीट नहीं मिली यानी पुरानी ही सीटें लड़नी पड़ रही है, जिनमें पिछली बार स्ट्राइक रेट 27 फीसदी का था। कांग्रेस को राजद के खिलाफ खड़े किए गए अपने उम्मीदवारों को नाक रगड़ कर वापस लेना पड़ा और तेजस्वी के नाम की घोषणा भी करनी पड़ी। अपमान अलग से यह हुआ कि लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के उम्मीदवारों के खिलाफ जो उम्मीदवार खड़े किए थे उनमें से किसी का नाम वापस नहीं हुआ। कांग्रेस जिन 61 सीटों पर चुनाव लड़ रही है उन्हीं में से 10 सीटों पर दोस्ताना लड़ाई हो रही है। राजद की 143 में से सिर्फ दो सीट पर दोस्ताना लड़ाई है। लेकिन वह भी कांग्रेस के साथ नहीं वीआईपी के साथ। उसने कांग्रेस से उम्मीदवार वापस कराए, जबकि उसके उम्मीदवार कांग्रेस के खिलाफ लड़ रहे हैं। ऊपर से सीपीआई के साथ संबंध अलग बिगड़े। बिहार का लेनिनग्राद कहे जाने वाले बेगूसराय में सीपीआई की मजबूत बछवाड़ा सीट पर उम्मीदवार देकर कांग्रेस ने उसे ऐसा नाराज किया कि उसने कांग्रेस की जीती हुई सीट पर भी अपना उम्मीदवार उतार दिया और तमाम मान मनौव्वल के बाद भी नाम वापस नहीं लिया।

सोचें, जब लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव की हर बात मान ही लेनी थी तो अशोक गहलोत को भेजने की क्या जरुरत थी? वह काम तो कोई भी कर सकता था। मोलभाव या दबाव की राजनीति का मतलब होता है कि दोनों पक्ष कुछ कुछ समझौता करें। लेकिन यहां तो सारे समझौते कांग्रेस को करने पड़े! राजद ने कोई समझौता नहीं किया है। वह पिछली बार 144 सीटों पर लड़ी थी और इस बार 143 पर लड़ रही है। सीपीआई माले पिछली बार 19 पर लड़ी थी और इस बार 20 पर लड़ रही है। सीपीआई पिछली बार छह पर लड़ी थी तो

इस बार नौ पर लड़ रही और सीपीएम पिछली बार चार पर लड़ी तो इस बार छह पर लड़ रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पिछली बार 70 पर लड़ी थी और इस बार 61 पर लड़ रही है और उसमें भी 10 सीटों पर दोस्ताना लड़ाई है। यानी चौबे जी गए थे छब्बे जी बनने और दुबे जी बन कर आ गए।

असल में बिहार में कांग्रेस का कोई संगठन पिछले कई बरसों से नहीं है। पिछले सात साल में तो तीन अध्यक्ष और तीन प्रभारी बदले हैं लेकिन कांग्रेस का प्रदेश संगठन नहीं बना। कांग्रेस के पास कोई जातीय आधार नहीं है और न संगठन की मजबूती है। इस वास्तविकता को समझे बगैर राहुल गांधी ने बिहार में कांग्रेस के पुनरूत्थान का सपना पाला। सोशल मीडिया से भरी गई हवा से फुल कर कुप्पा हुए राहुल गांधी ने कांग्रेस के वेतनभोगी कर्मचारी कृष्णा अल्लावरू को बिहार का प्रभारी बना कर भेजा। राहुल गांधी की ओर से इम्पावर्ड किए गए अल्लावारू ने पटना पहुंचते ही टकराव की राजनीति शुरू कर दी। उन्होंने कांग्रेस के तमाम पुराने नेताओं को हाशिए में डाल दिया और राजेश राम व शकील अहमद खान के सहारे दलित और मुस्लिम का समीकरण बैठाना शुरू कर दिया, जिसका कोई जमीनी आधार नहीं था। यह सही है कि कांग्रेस के वोट पर ही प्रादेशिक पार्टियों की राजनीति चल रही है लेकिन उनसे अपना वोट वापस हासिल करने के लिए कांग्रेस को पहले संगठन के स्तर पर मजबूत होना होगा। इस बुनियादी वास्तविकता को समझे बगैर राहुल गांधी और अल्लावरू ने यह सोच लिया कि दबाव डाल कर लालू प्रसाद से न सिर्फ अच्छी सीटें हासिल कर लेंगे, बल्कि इसी बहाने अपना वोट बैंक भी वापस पा लेंगे। कांग्रेस को इस प्रयास में जोर का झटका बहुत जोर से लगा है। कांग्रेस की सबसे बड़ी गलती अल्लावरू को प्रभारी बना कर भेजने की थी। अल्लावारू की जगह किसी राजनीति समझने वाले नेता को बिहार भेजा जाना चाहिए था, जो बारीकियों को समझता हो। मोटा मोटी सिद्धांत जानने और महत्वाकांक्षा पाल लेने से कुछ नहीं होता है। राजनीति की बारीकियों को समझने वालों को भी बिहार में राजनीति करने के लिए कुछ अतिरिक्त कौशल की जरुरत होती है। कांग्रेस ने अविनाश पांडे को देर से भेजा अगर वे पहले गए होते तो वे कांग्रेस की संगठनात्मक शक्ति, उम्मीदवारों की क्षमता और राजनीतिक नैरेटिव को समझ कर मोलभाव करते। अल्लावरू में वह समझ भी नहीं थे और वे लचीलापन भी नहीं ला पाए, जिसकी जरुरत थी। लालू परिवार ने उनकी इस कमजोरी को समझा और कांग्रेस को राजनीति को पंक्चर कर दिया। अल्लावरू और कुछ हद तक राहुल गांधी भी पप्पू यादव और कन्हैया कुमार के भरोसे लालू परिवार पर दबाव डाल पाने का भ्रम पाले रहे। इसका अंत नतीजा बहुत बुरा हुआ।

कांग्रेस ने समझा ही नहीं कि बिहार के तीन चौथाई जिलों में उसके पास संगठन के अच्छे नेता नहीं हैं और न अच्छे उम्मीदवार हैं। राजद को यह पता था कि कांग्रेस के पास अच्छे उम्मीदवार नहीं हैं। इसलिए उसने एक भी नई सीट कांग्रेस के लिए नहीं छोड़ी। अंत में दिखा कि कैसे कांग्रेस ने करीब डेढ़ दर्जन ऐसे उम्मीदवार चुनाव में उतारे, जो थोड़े दिन पहले तक भाजपा या जनता दल यू में थे। कई उम्मीदवार तो संघ की शाखा में जाने वाले थे। एक उम्मीदवार तो ऐसा उतारा, जिसने राहुल गांधी पर दर्जनों अपमानजनक पोस्ट सोशल मीडिया में डाले थे। विवाद बढ़ने पर उसकी उम्मीदवारी वापस ली गई। 60 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी वाली एक सीट पर जीते हुए विधायक की टिकट काट कर एक कमजोर उम्मीदवार को टिकट दिया गया, जिसका क्षेत्र में जबरदस्त विरोध हुआ। पिछली बार महज 113 वोट से हारे एक उम्मीदवार की टिकट काट दी गई, जिसकी सार्वजनिक रूप से शिकायत कटिहार के सांसद तारिक अनवर ने की। पैसे पर टिकट बेचे जाने के ऐसे ऐसे आरोप लगे, जैसे पहले कभी नहीं लगे थे। तभी चुनाव के अधबीच कृष्णा अल्लावरू के पर कतरे गए। उनको यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी पद से हटाया गया और अविनाश पांडे को समन्वय के लिए भेजा गया।

कुल मिला कर कांग्रेस ने जो तेवर दिखाए और लालू प्रसाद को झुका कर कांग्रेस को स्थापित करने का जो दांव खेला वह बुरी तरह से पिट गया। जमीनी राजनीति और धारणा की राजनीति दोनों में कांग्रेस को नुकसान हुआ। साथ ही कांग्रेस ने समूचे महागठबंधन की संभावना को भी पलीता लगा दिया। पहले तो राहुल गांधी एकदम बिना मतलब का एसआईआर का मुद्दा लेकर बिहार में दो हफ्ते घूमे और उसके बाद जब राजनीति करने की बारी आई तो पता नहीं कहां लापता हो गए। उन्होंने राजनीति ऐसे नौसिखिया नेताओं के हाथ में दी, जिनको अपने क्षेत्र के बाहर कोई नहीं जानता था। अखिलेश प्रसाद सिंह, तारिक अनवर, मदन मोहन झा जैसे नेता शोपीस बना दिए गए और अल्लावरू, राजेश राम, शकील अहमद खान फैसले करते रहे!

भविष्य में पौधों से रोशन होंगे स्मार्ट शहर

मुकुल व्यास

आने वाले समय में पेड़-पौधे बिना बैटरी के चमकते हुए सड़कों और बाग-बगीचों को रोशन करेंगे। वैज्ञानिकों ने ऐसे पौधों का विकास किया है जो सूर्य की रोशनी में रिचार्ज होकर प्राकृतिक बायोल्यूमिनेसेंस का अनुभव कराते हैं। आने वाले समय में पेड़ सड़कों को रोशन करेंगे और बाग-बगीचे पौधों के रंग-बिरंगे प्रकाश में चमकेंगे। पेड़-पौधों का चमकना आपको कुछ विचित्र लग सकता है लेकिन प्रकृति में जैव प्रकाश अथवा बायोल्यूमिनेसेंस के कई उदाहरण पहले से मौजूद हैं, जिनमें जंगल की जमीन पर चमकने वाले मशरूम और समुद्र को रोशन करने वाले प्लैंकटन नामक सूक्ष्म पौधे शामिल हैं। जैव प्रकाश के इन प्राकृतिक नजारों से प्रेरित होकर वैज्ञानिकों ने चमकने वाले बगीचों और अपने आप जगमग होने वाले शहरों के बारे में सोचना

शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक ऐसे पौधे बनाने में सफल हो गए हैं जो बहुत तेज चमकते हैं और मिनटों में रिचार्ज हो जाते हैं। ऐसे पौधों को न तो बैटरी चाहिए और न ही कोई प्लग। इनमें किसी आनुवंशिक छेड़छाड़ की आवश्यकता भी नहीं पड़ती।

मैटर पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में रिसर्चरों ने ऐसे चमकते पौधों का वर्णन किया है, जो सूर्य के प्रकाश में रिचार्ज होते हैं और रंगीन आभा उत्सर्जित करते हैं। रिसर्चरों ने पाया कि पत्तियों में प्रकाश-संग्रही कणों का इंजेक्शन लगाने के बाद पौधे छोटे रात्रि लैंपों को टक्कर देने लायक प्रकाश उत्सर्जित करने में सक्षम हो जाते हैं। वैज्ञानिकों ने पौधों को चमकदार बनाने के लिए घरों के अंदर रखे जाने वाले सजावटी पौधों को चुना। इन छोटे रसीले पौधों में मोटे तने और मोटी पत्तियां होती हैं। इन्हें 'सक्युलेंट' भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने पौधों में प्रकाश उत्पन्न करने के लिए पत्तियों की कोशिकाओं के बीच प्राकृतिक स्थानों में छोटे, प्रकाश-संग्रही क्रिस्टल डालने की एक विधि विकसित की है।

ये क्रिस्टल सूर्य के प्रकाश या घर के अंदर की तेज रोशनी में चार्ज होते हैं, फिर रोशनी बंद होने के बाद धीरे-धीरे उस ऊर्जा को दृश्यमान चमक के रूप में छोड़ते हैं। इस चमक को आफ्टरग्लो कहा जाता है। रसीले पत्तों की आंतरिक संरचना घनी और एक समान होती है। इनमें कण समान रूप से फैलते हैं और पूरा पौधा सुचारु रूप से प्रकाशमान होता है। शोधकर्ताओं ने पौधों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया और हरे रंग सहित विभिन्न चमकदार रंगों का पता लगाया। उन्होंने दर्शाया कि पौधे सामान्य रूप से जीवित रहते हुए भी मृदुल प्रकाश का बैटरी-मुक्त पुन: प्रयोज्य स्रोत प्रदान कर सकते हैं। दक्षिण चीन कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और प्रथम लेखक शुटिंग लियू ने कहा कि हॉलीवुड की साइंस फिक्शन फिल्म 'अवतार' में चमकते पौधों को पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को रोशन करते हुए दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि हम अवतार फिल्म की कल्पना को उन सामग्रियों का उपयोग करके संभव बनाना चाहते थे जिन पर हम प्रयोगशाला में पहले से ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कल्पना कीजिए कि चमकते पेड़ स्ट्रीट लाइट का भी काम करने लगें। प्रकाशमान पौधे बनाने के लिए पहले किए गए प्रयास आनुवंशिक इंजीनियरिंग पर आधारित थे। ये विधियां आमतौर पर हल्का हरा प्रकाश उत्पन्न करती थीं और साथ में इसमें उच्च लागत और जटिल तकनीकों जैसी कई चुनौतियां भी थीं। वैज्ञानिकों ने नए तरीके में अकार्बनिक कणों का उपयोग करके इन समस्याओं को दूर किया है। रोशनी उत्पन्न करने वाले ये पदार्थ पहले से ही चमकने वाले खिलौनों और सुरक्षा संकेतों में प्रयुक्त होते हैं। ये कण सस्ते हैं और व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। ये कण प्रकाश ऊर्जा को कुशलतापूर्वक संगृहीत करने में सक्षम हैं, जिससे ये पौधों को जीवित प्रकाश स्रोतों में बदलने के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाते हैं। शोधकर्ताओं ने अपने प्रयोग में हरे फॉस्फोर (स्ट्रॉनशियम एल्युमिनिट) कणों का इस्तेमाल किया, जो ऊर्जा मिलने पर प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। फॉस्फोर के क्रिस्टल एक छोटे ऊर्जा नेटवर्क की तरह काम करते हैं। चूंकि पानी पौधों की चमक को बुझा सकता है, इसलिए शोधकर्ताओं ने पत्तों के जलीय वातावरण में क्रिस्टल के कणों को स्थिर रखने के लिए उन पर फॉस्फेट की एक पतली परत चढ़ाई।

भारतीय मूल के दो नेताओं की जीत से ट्रम्प की फजीहत

पुष्परंजन

पिछले साल ट्रंप की जीत के बाद से, डेमोक्रेट्स राजनीतिक अस्तित्व के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। इन परिणामों ने परेशान और हाशिये पर जा चुकी डेमोक्रेटिक पार्टी को 2026 के मिडटर्म चुनावों के वास्ते कैंपेन प्लेबुक का टेस्ट करने का मौका दे दिया। अमेरिकी कांग्रेस पर कंट्रोल अब दांव पर होगा। न्यूयार्क शहर वर्ल्ड कैपिटल जैसी फीलिंग देता है। वहां से जब भी लौटा, साड्डी दिल्ली अर्द्ध शहरी और 'सबअल्टर्न' लगती है। इतालवी मार्क्सवादी दार्शनिक अंतोनियो ग्राम्शी ने 'सबअल्टर्न' शब्द को गढ़ते हुए इसका ध्यान रखा था, कि जो लोग ऐसे माहौल में रहते हैं, वो शहर कैसा होता होगा। दिल्ली गांव और शहर का मिक्सचर है। जिन्हें हम 'सबअल्टर्न' समझते हैं, वैसा 'अंडरक्लास' या 'मार्जिनलाइज़्ड ग्रुप' यदि दिल्ली में है, तो उसके बरक्स दिल्ली, सत्ता के गलियारों में सशक्त लुटियन वालों से लैस भी दिखती है। न्यूयॉर्क शहर सबअल्टर्न नहीं, कैपिटल और स्टेट कंट्रोल का एक बड़ा ग्लोबल सेंटर है। इसी ग्लोबल कैपिटल में 34 साल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट ज़ोहरान ममदानी ने मंगलवार को मेयर का चुनाव जीत लिया।

मेयर का चुनाव जीते ज़ोहरान ममदानी कई कारणों से भारत-पाकिस्तान की मीडिया में चर्चा का विषय बन गए। अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को दिए गए 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का जिक्र किया। भाषण के बाद वे अपनी पत्नी के साथ 'धूम मचा ले' गाने पर झूमते नजर आए। मां मीरा नायर ने मंच पर आकर उन्हें गले लगा लिया। मौके पर उनके पिता महमूद ममदानी भी मौजूद रहे। ममदानी, मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाली मीरा नायर के बेटे हैं। ज़ोहरान के पिता महमूद ममदानी

युगांडा के प्रसिद्ध लेखक, और भारतीय मूल के मार्क्सवादी विद्वान हैं। 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' बना पाकिस्तान, केवल इस बात से प्रसन्न है, कि ममदानी मुसलमान हैं।

न्यूयॉर्क शहर में ट्रम्प का साम्राज्य है। फिफ्थ एवेन्यू पर ट्रम्प टॉवर, एक मिक्स्ड-यूज़ स्काईस्क्रेपर है, जो ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन का हेडक्वार्टर है। यह लंबे समय तक डोनाल्ड ट्रम्प का घर भी रहा है। दूसरी प्रॉपर्टीज़ में सेंट्रल पार्क वेस्ट पर ट्रम्प इंटरनेशनल होटल एंड टॉवर, और ब्रॉन्क्स में एक पब्लिक गोल्फकोर्स, फेरी पॉइंट पर ट्रम्प गोल्फ लिंक्स शामिल हैं। ट्रम्प की भृकुटि ज़ोहरान ममदानी की जीत से तनी हुई है। मतदान से पहले ट्रंप ने मतदाताओं को चेतावनी दी थी, कि ममदानी जैसे वामपंथी के सत्ता में आने से हालात और बदतर हो सकते हैं, और मैं राष्ट्रपति होने के नाते, खराब स्थिति में पैसा नहीं भेजना चाहता। देश चलाना मेरा दायित्व है, और मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर ममदानी जीत गए, तो न्यूयॉर्क शहर पूरी तरह से आर्थिक और सामाजिक रूप से तबाह हो जाएगा।'

ट्रम्प को दरअसल, न्यूयॉर्क शहर की नहीं, अपनी तबाही की चिंता हो चली है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव, राष्ट्रपति के चार वर्षीय कार्यकाल के मध्य में होता है। 3 नवंबर 2026 को होने वाले मिड टर्म इलेक्शन में अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों के साथ सीनेट की 100 में 33 या 34 सीटों का भविष्य तय होना है। मध्यावधि चुनावों के दौरान 36 गवर्नर चुने जाते हैं। तब तक नगरपालिकाओं और महापौर स्तर पर भी चुनाव हो चुके होते हैं। न्यूयार्क में डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट की जीत ऐसे समय में हुई जब बिज़नेस एलीट, कंज़र्वेटिव मीडिया कमेंटेटर्स, और खुद ट्रंप ने उनकी नीतियों और उनके मुस्लिम बैकग्राउंड पर ज़ोरदार हमले किए थे। चुनाव से ठीक पहले ट्रंप ने दखल देते हुए ममदानी को 'यहूदी विरोधी' कहा था। ममदानी ने अपनी जीत की स्पीच में कहा, 'उम्मीद ज़िंदा है। न्यूयॉर्क अब ऐसा शहर नहीं रहेगा जहां कोई इस्लामोफ़ोबिया फैलाकर चुनाव जीत सके। यह शहर, राजनीतिक अंधेरे के इस कालखंड में एक रोशनी बनेगा।' उन्होंने एक ऐसे सिटी हॉल का वादा किया, 'जो यहूदी न्यूयॉर्कर्स के साथ मज़बूती से खड़ा रहेगा, और एंटी-सेमिटिज़्म की बुराई के खिलाफ लड़ाई में पीछे नहीं हटेगा, जहां दस लाख से ज़्यादा मुसलमानों को पता होगा कि वे यहीं के हैं।'

इस बीच, वर्जीनिया में डेमोक्रेट एबिगेल स्पैनबर्गर ने गवर्नर का चुनाव आसानी से जीत लिया, और वह इस पद पर चुनी जाने वाली पहली महिला बन गईं, जबकि डेमोक्रेट ग़ज़ाला हाशमी ने मंगलवार को वर्जीनिया लेफ्टिनेंट गवर्नर की दौड़ में रिपब्लिकन लेखक और कंज़र्वेटिव टॉक शो होस्ट जॉन रीड को हराया, जिससे वह पहली दक्षिण एशियाई और पहली मुस्लिम महिला बन गईं। भारत के हैदराबाद में जन्मी हाशमी अपनी जवानी में अमेरिका चली गईं, और बाद में एमोरी यूनिवर्सिटी से इंग्लिश में पीएच.डी. की डिग्री हासिल की। न्यूयार्क से लगे न्यू जर्सी में भी डेमोक्रेट मिकी शेरिल ने गवर्नर की रेस जीत ली।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

दुर्ग जिले में 24 घंटे के लिए हुई चाइल्ड हेल्प डेस्क की स्थापना

दुर्ग। भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत दुर्ग जिले में चाइल्ड हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। इस हेल्प डेस्क का शुभारंभ जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, दुर्ग द्वारा न्यू बस स्टैंड प्रतीक्षालय में रैन बसेरा के नीचे भूतल कक्ष क्रमांक-02 अनुसूचित जाति में किया गया। यह हेल्प डेस्क 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन कार्यरत रहेगी, ताकि बच्चों के सर्वोत्तम हित में त्वरित सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का मुख्य उद्देश्य 0-18 वर्ष के बच्चों को सुरक्षा और देखरेख उपलब्ध कराना है, जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है। इस सेवा के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को आपात स्थिति में सहायता, पुनर्वास, परामर्श और सुरक्षा से संबंधित सभी आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से जिले में बाल सुरक्षा से संबंधित कार्यों को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाया जाएगा, जिससे किसी भी जरूरतमंद बच्चे को समय पर सहायता मिल सके।

राज्य वीरता पुरस्कार वर्ष 2025 हेतु 20 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश में बच्चों को किसी घटना विशेष में उनके द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं बुद्धिमता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाना है। इसके तहत 05 बालक/बालिकाओं को 25 (पच्चीस) हजार रुपये की राशि तथा प्रशस्ति पत्र पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। वीरता पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग को 20 दिसम्बर 2025 तक सीलबंद लिफाफे में एवं लिफाफे के ऊपर राज्य वीरता पुरस्कार वर्ष 2025 अंकित कर प्रेषित किया जाए। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। पुरस्कार के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जिले की वेबसाईट का अवलोकन किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित 21 नवंबर तक

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग (शहरी) के अंतर्गत पंचशील नगर, नयापारा आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 01 दुर्ग में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती किया जाना है। उक्त पद पर आवेदन 21 नवंबर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग (शहरी) पांच बिल्डिंग, बाल संरक्षण गृह परिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

इस माह 9 दिन रद्द रहेगी शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस, यात्रा से पहले जान लें डिटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस माह यानी नवंबर में रेलवे द्वारा महाराष्ट्र-बंगाल को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण ट्रेन कुर्ला-शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस को 9 दिन के लिए रद्द किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़कपुर रेल मण्डल के शालीमार यार्ड का आधुनिकीकरण का कार्य के कारण रेलवे ने यह निर्णय लिया है। इसके अलावा अन्य ट्रेनें भी प्रभावित हो रही हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़कपुर रेल मण्डल के शालीमार यार्ड का आधुनिकीकरण का कार्य 13 से 23 नवम्बर, 2025 तक किया जा रहा है । इस कार्य के फ्लस्वरुप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा है। यही नहीं कुछ ट्रेनों को बीच में समाप्त व वहीं से शुरू किया जाएगा।

रद्द होने वाली ट्रेनें

दिनांक 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 22 एवं 23 नवम्बर, 2025 को एलटीटी से चलने वाली 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
दिनांक 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20 एवं 21 नवम्बर, 2025 को शालीमार से चलने वाली 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
दिनांक 12, 13 एवं 19 नवम्बर, 2025 को एलटीटी से चलने वाली 12151 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
दिनांक 14, 15 एवं 21नवम्बर, 2025 को शालीमार से चलने वाली 12152 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

बीच में समाप्त होने वाली ट्रेनें

18 नवम्बर को एलटीटी से चलने वाली 12101 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस सांतरागाछी स्टेशन पर समाप्त होगी। यह गाड़ी दिनांक 20 नवम्बरको 12102 सांतरागाछी से ही एलटीटी के लिए रवाना होगी।
19 नवम्बर, 2025 को पोरबंदर से चलने वाली 12905 पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस सांतरागाछी स्टेशन ही समाप्त होगी एवं यह गाड़ी सांतरागाछी एवं शालीमार के बीच रद्द रहेगी तथा यह गाड़ी दिनांक 21 नवम्बर, 2025 को 12906 शालीमार-पोरबंदर एक्सप्रेस ट्रेन सांतरागाछी से ही पोरबंदर के लिए रवाना होगी।

शहर के बैंकों की सेफ्टी ऑडिट करेगी पुलिस एसएसपी ने 12 बिंदुओं पर मांगी जानकारी

बैंकों की सुरक्षा के लिए दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने बनाया विशेष प्लान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में बैंकों की सुरक्षा को लेकर बैंक प्रबंधन कितने जागरूक हैं इसकी जानकारी लेने दुर्ग पुलिस ने व्यापक प्लान बनाया है। जिले के एसपी विजय अग्रवाल ने बैंक और एटीएम सेंटर्स की सुरक्षा को लेकर एक व्यापक सुरक्षा ऑडिट अभियान शुरू का करने की प्लानिंग की है। इसके तहत एसपी ने जिले के तमाम बैंकों से 12 बिंदुओं पर सुरक्षा संबंधी जानकारी मांगी है। इसके लिए एसपी अग्रवाल के मार्ग दर्शन में एक खास चेक लिस्ट बनाई गई है जिसे बैंकों को भरकर देना है। जल्द ही दुर्ग पुलिस बैंकों की सुरक्षा ऑडिट का काम तय मापदंडों के अनुसार करेगी और खामियां पाई गई तो कार्रवाई भी होगी।

दरअसल दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल जिले में बैंक कितने सुरक्षित हैं इसकी जानकारी चाहते हैं। इसके लिए बैंकों की सुरक्षा ऑडिट का नियम है लेकिन दुर्ग जिले में इस पर कुछ खास काम नहीं हो पाया। इसे देखते हुए दुर्ग जिले के एसपी विजय अग्रवाल ने स्वयं बैंकों की सुरक्षा को लेकर एक चेकलिस्ट बनाया है। इस चेक लिस्ट में बैंकों को सुरक्षा से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी भरकर देनी होगी। चेकलिस्ट जमा होने के बाद पुलिस के क्षेत्रीय अधिकारी बैंकों का विजिट करेंगे और पूरी जांच करेंगे। चेक लिस्ट में भरी गई जानकारी के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था हुई तो ठीक यदि इसके विपरीत किसी भी तरह की गलत जानकारी या खामी पाई गई तो संबंधित बैंकों पर कार्रवाई की जाएगी।

बैंकों के साथ एटीएम प्वाइंट भी शामिल

दुर्ग पुलिस बैंकों के साथ ही शहर में लगे तमाम बैंकों के एटीएम प्वाइंट की जानकारी भी जुटा रही है। शहर में कुल कितने एटीएम हैं और उनमें सुरक्षा के क्या उपाय हैं। यह इसलिए भी जरूरी माना जा रहा है क्योंकि आए दिन एटीएम में सेंधमारी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। चोर एटीएम में तोड़फोड़ कर चले जाते हैं। यह इसलिए होता है क्योंकि रात मे अक्सर एटीएम में गार्ड की तैनाती नहीं होती। एटीएम प्वाइंट मंय सुरक्षा गार्ड की तैनाती अनिवार्य है और इसकी अनदेखी पर भी बैंकों को ही जवाब देना होगा।

पुलिस व बैंक प्रबंधन पर है सुरक्षा का दायित्व

एसएसपी विजय अग्रवाल का कहना है कि बैंक एवं बैंको में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों तथा खाताधारकों की सुरक्षा का दायित्व संयुक्त रूप से पुलिस एवं बैंक प्रबंधन का है। बैंको में सुरक्षा को दृष्टिगत् रखते हुए सुरक्षा आडिट कराया जाना है। बैंक की सुरक्षा ऑडिट के लिए प्रोफार्मानुसार चेक लिस्ट तैयार की गई है। इसे सभी बैंकों को बिना किसी गलती के भरकर देना होगा। स्थानीय पुलिस अधिकारी भी इसके लिए सहयोग करेंगे।

चेकलिस्ट में शामिल प्रमुख बिंदु

- सबसे पहले बैंकों से संबंधित सामान्य जानकारी।
- शाखा में सशस्त्र गार्ड है या नहीं, है तो कितने हैं?
- सुरक्षा गार्ड के पास मौजूद लाइसेंसी हथियार और उनकी सतर्कता।
- सीसीटीवी डीवीआर का सुरक्षित स्थान पर होना और कैमरे की गुणवत्ता।
- सीसीटीवी बैकअप की जांच, जो कम से कम 15 दिनों का हो।
- बैंक में कॉम्बिनेशन लॉक सिस्टम की विस्मृत जानकारी।
- बैंक के चेस्ट में टाइम डिले लॉक है या नहीं।
- बैंकों में फायर अलार्म है या नहीं, है तो उसकी स्थिति कैसी है।
- अलार्म सिस्टम बैंक तक सीमित है या पुलिस तक पहुंचाने की भी व्यवस्था है।
- वीडियो सर्विलांस सिस्टम है या नहीं, यदि है तो उसकी पूरी स्थिति का विवरण।
- बैंक से कैश ले जाने वाली एजेंसी का नाम व उसकी वेरीफिकेशन की जानकारी।
- बैंक की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त दीवार व चेस्ट के दीवार की जानकारी।

सभी शासकीय कार्यालयों, स्कूलों एवं कॉलेजों में हुआ सामूहिक राष्ट्रगीत गायन

दुर्ग। राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज देश एवं प्रदेश के साथ दुर्ग जिले के सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतों में सामूहिक राष्ट्रीय गीत गायन का आयोजन पूर्वान्ह 10 बजे किया गया। दुर्ग जिले में जिला स्तरीय आयोजन जिला पंचायत सभा कक्ष में किया गया। जिसमे प्रदेश के अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, सदस्य प्रिया साहू सहित अन्य सदस्य गण तथा कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, जनपद पंचायत के सीईओ रूपेश पाण्डे, जिला एवं जनपद पंचायत कार्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारी सम्मलित हुए।

उपस्थित सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारियों ने कार्यक्रम के शुभारम्भ एवं अंत मे सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम् गायन किये। कार्यकम का शुभारंभ प्रात: 10 बजे देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। प्रधान मंत्री श्री मोदी जी ने राष्ट्रीय गीत के पंक्तियों की भावार्थ से देश वासियों को अवगत कराया। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 150 रूपए का सिक्का तथा डाक टिकट जारी किया गया।जिला मुख्यालय में कलेक्टोरेट सहित समस्त कार्यालयों में अधिकारी कर्मचारियों ने सामूहिक राष्ट्रीय गीत गायन किये और दिल्ली से लाईव प्रसारित कार्यक्रम का दृश्य श्रवण किये।

भिलाई में निषाद टंडन ने लगवाया सोलर पैनल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कैलाश नगर, भिलाई के निवासी निषाद टंडन एक जागरूक और पर्यावरण-प्रेमी व्यक्ति हैं। एनएमडीसी बैलाडीला में वर्षों तक सेवा देने के बाद वे साल 2012 में सेवानिवृत्त हुए। तीनों बच्चे आज अपनी-अपनी सेवाओं में कार्यरत हैं। एक दिन उन्होंने अखबार में सौर ऊर्जा (सोलर पैनल) योजना के बारे में पढ़ा। बच्चों ने भी उन्हें प्रोत्साहित किया। पापा सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होगा और बचत भी होगी। फिर निषाद टंडन ने आवेदन दिया, वेंडर से बात की और बिजली विभाग से भी सहयोग प्राप्त किया। उन्होंने 13 दिसम्बर 2024 को अपने घर में 2 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया। इसके बाद से उनका अनुभव बेहद सकारात्मक रहा। अब तक उनका सोलर सिस्टम 3590 यूनिट बिजली का उत्पादन कर 1000 यूनिट बिजली विभाग को बेची गई है।

राज्य सरकार द्वारा 8 सितम्बर 2025 को उन्हें 30,000 रुपये की राज्य सब्सिडी और 60,000 रुपये की केंद्र सरकार की सहायता प्राप्त हुई। श्री निषाद जी बताते हैं कि उन्होंने सारा खर्च खुद वहन किया, किसी बैंक से लोन नहीं लिया। वे सोलर पैनल की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं और कहते हैं कि पहले की तुलना में अब बिजली बिल बहुत कम आ रहा है। यह योजना बहुत अच्छी है और भविष्य के लिए बेहद जरूरी भी।

बीएसपी ने वित्त वर्ष 2025-26 में रचा उत्पादन कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहले सात माह (अप्रैल से अक्टूबर 2025) के दौरान उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इस अवधि में संयंत्र ने हॉट मेटल, क्रूड स्टील, सेलेबल स्टील और रेल उत्पादन व रेल लोडिंग सहित प्रमुख क्षेत्रों में अपने पिछले रिकॉर्डों को पार करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सर्वश्रेष्ठ अप्रैल से अक्टूबर रिकॉर्ड के साथ ही संयंत्र ने अक्टूबर माह में उत्पादन के प्रमुख मापदंडों में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है7

अप्रैल से अक्टूबर अवधि में संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 16,27,246 टन हॉट मेटल का उत्पादन कर वित्त वर्ष 2024-25 के इसी अवधि में दर्ज 15,85,796 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार किया।

संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल ने लॉन्ग रेल उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए 13 वर्ष पूर्व के रिकॉर्ड को पार किया7 आरएसएम ने वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से अक्टूबर अवधि में 1,03,661 टन उत्पादन दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 2012-13 में दर्ज 88,072 टन के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया7 सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मॉडेक्स इकाई, यूआरएम ने इस अवधि में 5,55,856 टन फिनिश्ड रेल, 5,35,414 टन प्राइम रेल तथा 5,18,056 टन लाँग रेल उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज करते हुए क्रमश: वित्त वर्ष 2024-25 के इसी अवधि में दर्ज 5,15,744 टन फिनिश्ड रेल, 4,88,445 टन प्राइम रेल तथा वर्ष 2023-24 में दर्ज 4,54,059 टन लाँग रेल उत्पादन रिकॉर्ड को पार किया। इसी क्रम में कुल फिनिश्ड रेल उत्पादन 8,33,422 टन तथा कुल प्राइम रेल उत्पादन 7,62,652 टन दर्ज किया गया।

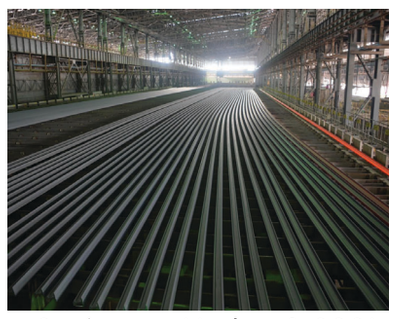

भिलाई इस्पात संयंत्र के सभी फिनिशिंग मिलों ने मिलकर वित्त वर्ष 2025-26 की पहले सात माह (अप्रैल से अक्टूबर 2025) के दौरान कुल 27,49,741 टन फिनिश्ड स्टील उत्पादन किया जो वर्ष 2024-25 में दर्ज 27,29,269 टन से अधिक है। संयंत्र ने 31,66,980 टन सेलेबल स्टील उत्पादन कर वर्ष 2023-24 में दर्ज 30,26,672 टन के रिकॉर्ड को पार किया।

25 वर्षों में कुपोषण दर में 50.4 प्रतिशत से 7.95 प्रतिशत तक घटा, दुर्ग अव्वल

- **जिले में महिला एवं बाल विकास की रजत जयंती- एक चौथाई सदी में बच्चों के जीवन में आया क्रांतिकारी बदलाव**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पिछले 25 वर्षों (वर्ष 2000 से 2025) में दुर्ग ज़िले में अविस्मरणीय उपलब्धि हासिल की गई है, जिसने ज़िले के बाल स्वास्थ्य परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया है। शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विभाग की अथक मेहनत का परिणाम है कि दुर्ग ज़िले का ''कुपोषण दर राज्य में सबसे कम'' है। यह सफलता कई बच्चों को कुपोषण के अँधेरे से निकालकर सुपोषण के उजाले की ओर ले जाने की एक प्रेरक गाथा है।

जिले की 77 पंचायतों को कुपोषण से मुक्त करने के लक्ष्य के तहत, ग्राम पंचायत करेला के आँगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत बालक यक्ष मध्यम कुपोषण की श्रेणी में था। उसका वजन मात्र 9.800 किलोग्राम था। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के अंतर्गत हुए परीक्षण

में यह पाया गया कि यक्ष घर का पोषक खाना न खाकर बाजार के पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर अधिक निर्भर था। पर्यवेक्षक श्रीमती ममता साहू और कार्यकर्ता श्रीमती दुर्गेश्वरी वर्मा ने गृहभेंट कर यक्ष के माता-पिता को पोषण के प्रति जागरूक किया। उन्हें घर के बने पोषक भोजन, अंकुरित अनाज और रेडी-टू-ईट के महत्व को समझाया गया। ग्राम सरपंच डॉ. राजेश बंछोर ने भी पोषण खजाना योजना के तहत फूटा चना, मूंग, गुड़ आदि उपलब्ध कराया। इन समेकित प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि यक्ष को नया जीवन मिला। वर्तमान में यक्ष का वजन 11.500 किलोग्राम है, वह सामान्य श्रेणी में आ गया है और पूरी तरह स्वस्थ है। यह कहानी दर्शाती है कि शासन की योजनाएँ किस प्रकार ज़मीनी स्तर पर बच्चों का भविष्य बदल रही हैं।

विभाग की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ और विस्तार

25 वर्षों की इस यात्रा में, महिला एवं बाल विकास विभाग ने अपनी पहुँच और सेवाओं में अभूतपूर्व विस्तार किया है। वर्ष 2000 में ज़िले में एकीकृत बाल विकास सेवा की केवल 5 परियोजनाएँ संचालित थीं, जिनकी संख्या वर्ष 2025 में बढ़कर 8 हो गई है, जबकि सेक्टरों की संख्या 35 से बढ़कर 59 तक पहुँच गई है। इन प्रयासों के तहत, स्वीकृत और संचालित आँगनबाड़ी केंद्रों की संख्या 819 से बढ़कर 1551 हो गई है। यह विस्तार गुणवत्ता के साथ हुआ है, जहाँ स्वयं के भवन में संचालित आँगनबाड़ी केंद्रों की संख्या 286 से बढ़कर 1193 हो गई है, जो किराए पर निर्भरता को कम करते हुए कार्यक्रमों को एक स्थिर आधार प्रदान करता है। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में ऋ ंति आई है। वर्ष 2000 में शून्य पर रहे बिजली और शौचालय की उपलब्धता को विभाग ने सुनिश्चित किया है, जहाँ 2025 तक क्रमश: 1539 और 1491 आँगनबाड़ी भवनों में ये मूलभूत सुविधाएँ पहुँच चुकी हैं। साथ ही, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी 311 केंद्रों से बढ़कर 1513 केंद्रों तक पहुँच गई है। इन केंद्रों में अब 16 पालना केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं, जिनकी शुरुआत वर्ष 2000 में नहीं हुई थी। इस व्यापक प्रयास का सबसे बड़ा प्रभाव बाल स्वास्थ्य पर देखा गया है। वर्ष 2000 में कुपोषण का डरावना प्रतिशत 50.4 था, जो वर्ष 2025 में ऐतिहासिक रूप से गिरकर मात्र 7.95 प्रतिशत रह गया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या 5688 से घटकर केवल 748 रह गई है, वहीं मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या भी 17431 से घटकर 5448 रह गई है। इस दौरान, ज़िले में सामान्य बच्चों की संख्या 23099 से बढ़कर 72987 हो गई है, जो ज़िले के भविष्य के लिए एक उज्जवल संकेत है।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

सुकमा जिले के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर स्वास्थ्य सर्वे

रायपुर। सुकमा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियद नेल्लानार योजना के तहत माओवाद प्रभावित कोंटा विकासखंड के 125 गांवों में घर-घर स्वास्थ्य सर्वे अभियान चलाया गया। दुर्गम और पहुंचविहीन क्षेत्रों में संचालित इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके द्वार पर ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सीएमएचओ डॉ. आर.के. गुप्ता ने बताया कि सर्वे के दौरान संपूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दिया गया। बीएमओ कोंटा ने जानकारी दी कि सर्वे में 624 मोतियाबिंद मरीजों का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें 132 एक आंख में और 492 दोनों आंखों में मोतियाबिंद से पीड़ित हैं। इन सभी मरीजों के लिए जिला अस्पताल में शीघ्र ही विशेष नि:शुल्क मोतियाबिंद शिविर आयोजित किए जाएंगे। मरीजों के लाने-ले जाने, भोजन एवं आवास की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी।

जनजातीय गौरव दिवस कार्यशाला टीआरटीआई में 10 नवंबर को

रायपुर। जनजातीय गौरव दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यशाला 10 नवंबर को आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरटीआई) नवा रायपुर, अटल नगर के ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर एवं सरगुजा संभाग के सभी सहायक आयुक्तों को अपने नोडल अधिकारियों एवं सहयोगियों के साथ उपस्थित होने को कहा गया है। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा मंत्रालय महानदी भवन से इस संबंध में सभी जिलों के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग को पत्र जारी कर दिया गया है।

श्रम कानूनों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित कराएं- सचिव सह श्रमायुक्त गुप्ता

रायपुर। सचिव सह श्रमायुक्त, छत्तीसगढ़ शासन हिम शिखर गुप्ता ने मंत्रालय महानदी भवन में सभी जिले के श्रम अधिकारियों की विभागीय बैठक ली गई। बैठक में सचिव सह श्रमायुक्त ने कहा कि विभिन्न श्रम अधिनियमों के अंतर्गत रेंडम पद्धति सें संस्थानों का गुणवत्तापूर्ण निरीक्षण कर समय-सीमा में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संस्थानों के द्वारा श्रम कानून का अनुपालन नहीं करने की स्थिति में न्यायालयीन कार्यवाही सुनिश्चित किया जायें। विभिन्न श्रम कानूनों के अंतर्गत श्रमिकों को देय हितलाभ जैसे न्यूनतम वेतन, बोनस, छटनी आदि शिकायतों का निराकरण गंभीरता पूर्वक करना सुनिचित करें। गण्डई-छुईखदान-खैरागढ़ जिले के श्रम अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। सचिव सह श्रमायुक्त ने विभाग के अधीन छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल एवं छ.ग. असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को पात्रतानुसार योजनाओं, लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 में निहित प्रावधानों के तहत् समय-सीमा में लाभ डीबीटी के माध्यम से दिलाये जाने के निर्देश जिला श्रम अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि पर्याप्त आधारों एवं उचित अभिलेखों के आधार पर ही श्रमिकों के नाम, पता और मोबाईल नंबर आदि में संशोधन की कार्यवाही करें। सचिव सह श्रमायुक्त गुप्ता ने कहा कि श्रमिकों के पंजीयन एवं योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं अभिलेखों की जांच गंभीरतापूर्वक की जायें, ताकि पात्र व्यक्ति को ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त हो।

छत्तीसगढ़ में आवास योजनाओं से साकार हो रहा 'सबके लिए पक्का घर' का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में जनकल्याण की नई मिसाल कायम की है। शासन की प्रतिबद्धता और सतत निगरानी के परिणामस्वरूप राज्य के विभिन्न जिलों में जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान मिल रहे हैं। सरगुजा जिला इस दिशा में अग्रणी बनकर उभरा है, जहाँ योजना की कुल प्रगति दर 75.29 प्रतिशत दर्ज की गई है।

वर्ष 2016 से 2026 तक सरगुजा जिले में कुल 1,02,087 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 76,863 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। प्रारंभिक वर्षों में उल्लेखनीय सफलता दर्ज करते हुए 2016-17 से 2019-20 तक लगभग 90 प्रतिशत से अधिक आवासों का निर्माण पूरा किया गया। वर्तमान में 2024-25 के दौरान 32,087 आवासों में से 15,404 का निर्माण संपन्न हुआ है, जबकि 2025-26 के लिए 4,096 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी पहली किस्त 1 नवम्बर से जारी कर दी गई है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना (PM-JANMAN) के तहत सरगुजा जिले में 2,565 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 1,188 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि मुख्यमंत्री आवास योजना (MMAY-G) में 1,024 स्वीकृत आवासों में से 167 का निर्माण संपन्न हो चुका है।

राज्य सरकार द्वारा आवास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और सबके लिए आवास का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले हितग्राहियों को सम्मानित कर अन्य लाभार्थियों को समय-सीमा में आवास पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल ग्रामीण अंचलों में सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और स्थायी आवास सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

युक्तियुक्तकरण नीति से विद्यार्थियों तक पहुंच रही शिक्षकों की विशेषज्ञता का लाभ

मिडिल स्कूल लैंगा में शिक्षक गोरेलाल कंवर के आने से हिंदी विषय में बढ़ी विद्यार्थियों की रुचि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश सरकार की युक्तियुक्तकरण नीति के तहत विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की पदस्थापना से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। इसी कड़ी में कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, लैंगा में हिंदी विषय के शिक्षक गोरेलाल कंवर की नियुक्ति हुई है। विद्यालय में उनके आने के बाद से हिंदी विषय विद्यार्थियों के लिए रोचक और प्रेरणादायक बन गया है।

श्री कंवर की शिक्षण शैली अत्यंत रोचक, जीवंत और प्रभावशाली है। वे गद्य, पद्य, व्याकरण और साहित्य के हर पहलू को बच्चों तक सरल और रचनात्मक ढंग से पहुँचाते हैं। नाट्य रूपांतरण, संवाद, कहानी, गीत और गतिविधि-आधारित शिक्षण के माध्यम से वे बच्चों को सीखने में सम्मिलित करते हैं।

कक्षा 8 वीं के छात्रों ने बताया कि जब श्री कंवर ने इतिहास विषय में तैमूर लंग के भारत आक्रमण से संबंधित पाठ का मंचन कराया, तो इतिहास जैसे विषय जीवंत हो उठा। बच्चों की आँखों में जिज्ञासा की चमक और सीखने का उत्साह देखने लायक था।

हिंदी बनी बच्चों के लिए मनोरंजन और ज्ञान का स्रोत

शिक्षक गोरेलाल कंवर के प्रयासों से अब हिंदी विषय विद्यार्थियों के लिए कठिन नहीं बल्कि मनोरंजक और ज्ञानवर्धक बन गया है। रस, छंद, अलंकार जैसे व्याकरण के अंश अब बच्चों को सहज लगने लगे हैं। छात्र-छात्राएँ — कु. अनुसुइया, अंश, रश्मि, कल्पना, महिमा और लवकेश — ने बताया कि अब उन्हें हिंदी पढ़ना आनंददायक लगता है और वे कविता पाठ, कहानी लेखन व भाषण जैसी गतिविधियों में भी भाग लेने लगे हैं।

अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास में भी हो रहा विकास

कंवर केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहते, बल्कि बच्चों में अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। वे छात्रों को कहानी रचना, पत्र लेखन, कविता पाठ और भाषण देने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

अभिभावकों और प्रधानपाठक ने की नीति की सराहना

विद्यालय के प्रधानपाठक एवं अभिभावकों ने राज्य सरकार की युक्तियुक्तकरण नीति की सराहना करते हुए कहा कि विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति से शिक्षा की गुणवत्ता में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। यह नीति शिक्षकों की विशेषज्ञता का लाभ सही रूप में विद्यार्थियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रही है।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के मुख्यालय भवन का भूमि पूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव माध्यमिक शिक्षा मंडल, पेंशनबाड़ा कार्यालय परिसर में आयोजित भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्यालय कार्यालय भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री यादव ने कहा कि जिस भाव से स्काउट एंड गाइड्स की स्थापना की गई थी, वह भाव सदैव बना रहना चाहिए। स्काउट गाइड हमें आनंद के साथ जीना सिखाता है। राज्य के सभी प्रशिक्षण संस्थानों को और अधिक सुदृढ़ एवं उत्कृष्ट बनाया जाएगा।

श्री यादव ने यह भी आश्वासन दिया कि आज भूमि पूजन संपन्न हुआ है और अगले एक वर्ष के भीतर राज्य कार्यालय, भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिसका उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर स्काउट एवं गाइड आंदोलन के उद्देश्यों और युवा सशक्तिकरण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। अन्य विशिष्ट अतिथियों में माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर की सचिव श्रीमती पुष्पा साहू, राज्य कोषाध्यक्ष मुरलीधर शर्मा तथा जी. स्वामी जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन राज्य सचिव, भारत स्काउट एंड गाइड्स जितेंद्र कुमार साहू, ने दिया

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती, श्रीमती सरिता पांडे (राज्य प्रशिक्षण आयुक्त), राज्य के विभिन्न जिलों से आए स्काउट गाइड सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जशपुर में सड़कों की सूरत निखर रही- 4 करोड़ 50 लाख की लागत से बीटी पेच रिपेयर कार्य तेजी से जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जशपुर में सड़कों की सूरत निखर रही— 4 करोड़ 50 लाख की लागत से बी.टी. पेच रिपेयर कार्य तेज़ी से जारी जशपुर में सड़कों की सूरत निखर रही— 4 करोड़ 50 लाख की लागत से बी.टी. पेच रिपेयर कार्य तेज़ी से जारी

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश में सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत जशपुर जिले में सड़कों के बी.टी. पेच रिपेयर कार्य तेजी से जारी हैं। लोक निर्माण विभाग, जशपुर द्वारा जिले में कुल 220.70 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के मरम्मत एवं रखरखाव हेतु 4 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा रहा है। सरईपानीङ्कबगीचा मार्ग के 17 किलोमीटर और दोदरअम्बाङ्कढुलूकोना मार्ग के 4 किलोमीटर, इस प्रकार कुल 21 किलोमीटर सड़क का बी.टी. पेच रिपेयर कार्य 5 नवम्बर 2025 तक पूरा कर लिया गया है। शेष सड़कों के मरम्मत कार्यों को दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन कार्यों के पूरा होने से जिले में सड़क सुविधा और बेहतर होगी तथा ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में आवागमन सुगम बनेगा।

जशपुर में सड़क मरम्मत कार्यों की यह पहल न केवल स्थानीय नागरिकों की सुविधा बढ़ाएगी बल्कि आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगी।

जशपुर जम्बुरी में लोक संस्कृति और प्रकृति का संगम

देशदेखा में पर्यटक झूमे लोक कलाकारों के साथ, चांदनी रात में किया स्टार ग्रेजिंग का आनंद

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में आयोजित जशपुर जम्बुरी 2025 का पहला दिन लोक संस्कृति, आतिथ्य और प्राकृतिक सौंदर्य के रंगों से सराबोर रहा। देशदेखा पहुंचे देशभर के पर्यटक न केवल जशपुर की मनमोहक वादियों में खो गए, बल्कि लोक कलाकारों के साथ पारंपरिक नृत्य और संगीत की थाप पर झूम उठे।

पहले दिन जम्बुरी में 120 पर्यटकों का पंजीयन किया गया। उनका स्वागत जशपुर की परंपरागत शैली में किया गया और स्थानीय शुद्ध दोना-पत्तल में पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। अतिथियों ने स्थानीय भोजन के स्वाद और जशपुरवासियों के आत्मीय सत्कार की प्रशंसा की।

सांझ ढलते ही चांदनी रात में देशदेखा का आसमान सितारों से जगमगा उठा। पर्यटकों ने खुले आसमान के नीचे स्टार ग्रेजिंग सेशन का आनंद लिया, जो जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से आयोजित किया गया था। तारों के बीच बैठकर लोक कलाकारों की प्रस्तुति ने वातावरण को और भी मनमोहक बना दिया।

लोक संस्कृति की जीवंत झलकियों के बीच पर्यटकों ने नृत्य, संगीत और पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से जशपुर की समृद्ध विरासत को करीब से महसूस किया। इस अनुभव ने न केवल उन्हें रोमांचित किया बल्कि राज्य के इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन को भी नई ऊँचाई दी।

जशपुर जम्बुरी 2025: देशदेखा में 120 पर्यटक ले रहे रॉक क्लाइंबिंग का रोमांच

जशपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभरते जशपुर जिले में आयोजित जशपुर जम्बुरी 2025 के दौरान रोमांच और प्रकृति प्रेमियों के लिए अद्भुत अनुभव देखने को मिला। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल देशदेखा में लगभग 120 पर्यटकों ने रॉक क्लाइंबिंग जैसे साहसिक खेल का रोमांचक आनंद लिया। यह गतिविधि पूरी तरह सुरक्षा मानकों के अनुरूप और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की निगरानी में कराई गई। प्रतिभागियों ने ऊँची प्राकृतिक चट्टानों पर चढ़ाई करते हुए न केवल अपने साहस की परीक्षा दी, बल्कि प्रकृति की गोद में सुकून और उत्साह से भरे पल भी बिताए।

रॉक क्लाइंबिंग एक साहसिक पर्वतारोहण खेल है, जिसमें प्रतिभागी प्राकृतिक चट्टानों या कृत्रिम दीवारों पर चढ़ाई करते हैं। इस खेल का उद्देश्य शारीरिक क्षमता, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की परीक्षा लेना होता है। जशपुर की हरी-भरी वादियों, ठंडी हवाओं और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आयोजित यह गतिविधि न केवल पर्यटकों के लिए यादगार बनी, बल्कि जिले के साहसिक पर्यटन को भी नई पहचान दी।

बैगा गुनिया हड़जोड़ सम्मान के लिए चिन्हित व्यक्तियों को मिलेगी प्रति वर्ष 5 हजार रुपए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप अनुसूचित जनजाति वर्ग के बैगा, गुनिया एवं हड़जोड़ के चिन्हित व्यक्तियों को प्रति वर्ष 5,000 रुपए की सम्मान सह-प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना को 'मुख्यमंत्री बैगा गुनिया हड़जोड़ सम्मान योजना (अनुसूचित जनजाति) वर्ष 2025' के नाम से जाना जाएगा। योजना के संबंध में 6 नवम्बर को आदिम जाति विकास विभाग द्वारा विस्तृत अधिसूचना जारी की गई है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय बाहुल्य ग्रामीण क्षेत्रों में

परंपरागत रूप से वनौषधीय चिकित्सा संबंधी कार्यों में संलग्न बैगा, गुनिया एवं हड़जोड़ लोगों की परंपरागत वनौषधीय चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित करने और उनके सेवा एवं योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से, जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर 2024 के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा प्रति चिन्हित व्यक्ति को प्रतिवर्ष 5,000 रुपए की सम्मान सह-प्रोत्साहन निधि प्रदान करने की घोषणा की गई थी।

आदिम जाति विकास विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में उल्लेखित है कि 'मुख्यमंत्री बैगा, गुनिया-हड़जोड़ सम्मान योजना' का उद्देश्य जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के अंतर्गत परंपरागत रूप से वनौषधियों के ज्ञान में दक्ष बैगा, गुनिया और हड़जोड़ व्यक्तियों के पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करना, उसे आगामी पीढ़ियों तक हस्तांतरित करना और उनके वनौषधीय चिकित्सकीय अनुभवों का अभिलेखीकरण कर उनकी आजीविका एवं सेवा को सुदृढ़ बनाना है।

अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि जनजाति समाजों में वनौषधीय चिकित्सा संबंधी अनुभव परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते हैं। अनुसूचित क्षेत्रों के ग्रामों में ऐसे बैगा, गुनिया एवं हड़जोड़ व्यक्ति जो विगत तीन वर्षों से वनौषधीय चिकित्सा सेवा कार्य में संलग्न हैं, उन्हें संरक्षित करने और सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिवर्ष 5,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्त्री, पुरुष एवं तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर) व्यक्ति, जो बैगा, गुनिया या हड़जोड़ के रूप में कम से कम 30 वर्षों से अपने स्थानीय क्षेत्र में सेवाएँ दे रहे हैं तथा जिनके परिवार में कम से कम दो पीढ़ियों से वनौषधीय चिकित्सा का ज्ञान स्थानांतरित हुआ है, पात्र माने जाएंगे। साथ ही, जो व्यक्ति पादप औषधि बोर्ड, आयुष विभाग, वन विभाग या लघु वनोपज संघ जैसी पंजीकृत संस्थाओं से जुड़े हुए हैं, उनका चयन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ग्राम स्तर पर किया जाएगा।

ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत द्वारा प्रेषित नामों की अनुशंसा ग्राम स्तर पर ग्राम सचिव, सरपंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन तथा प्राथमिक अथवा माध्यमिक शाला के प्रधानपाठक द्वारा अनुमोदित की जाएगी। इस अनुशंसा के आधार पर संबंधित जिले के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास स्तर पर गठित समिति — जिसमें संबंधित जनपद अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति वर्ग के एक जनपद सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जनपद पंचायत) एवं मंडल संयोजक शामिल होंगे — द्वारा अनुशंसित नामों का परीक्षण और सत्यापन किया जाएगा।

सत्यापित सूची आयुक्त, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास कार्यालय को प्रेषित की जाएगी। समिति द्वारा किसी मान्यता प्राप्त संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त सदस्यों का विशेष रूप से उल्लेख किया जाएगा।

जनजातीय गौरव दिवस कार्यशाला 10 नवंबर को

रायपुर। जनजातीय गौरव दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यशाला 10 नवंबर को आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरटीआई) नवा रायपुर, अटल नगर के ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर एवं सरगुजा संभाग के सभी सहायक आयुक्तों को अपने नोडल अधिकारियों एवं सहयोगियों के साथ उपस्थित होने को कहा गया है।

स्किन को हेल्दी और गोरा बनाने के लिए लगाएं खीरे का फेस मास्क

खीरे को सेहत के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। इसमें सूजन-रोधी गुण होने के साथ-साथ कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। खीरा विटामिन सी और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। खीरे के यही गुण इसे बेहतरीन फेस मास्क बनाने के गुण प्रदान करते हैं।

खीरे से स्किन को फायदे

खीरा पोषक तत्वों, विटामिन और खनिज पदार्थों से भरपूर होता है। खीरा त्वचा को कई तरह से लाभ पहुंचा सकता है। ये सूजन और पफीनेस, मुंहासों, उम्र से पहले एजिंग के निशानों और जलन को कम करने की शक्ति रखता है। खीरे में 96 फीसदी पानी होता है जो कि स्किन को मॉइस्चराइज करने के लिए पर्याप्त है।

खीरे का फेस मास्क

अगर आप अपनी स्किन को बहुत कम समय में रेजुनवेट करना चाहते हैं तो इस आसान फेस मास्क को जरूर लगाएं। आधा खीरा लें और उसे छिलकर ब्लेंड कर लें। अब इसे छानकर इसमें से रस निकाल लें। चेहरे को धोने के बाद खीरे का रस चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद ठंडे या गुनगुने पानी से चेहरे को धोकर सुखा लें।

खीरे और एलोवेरा का फेस मास्क

रूखी त्वचा के लिए ये फेस मास्क बहुत फायदेमंद रहेगा। खीरे के साथ-साथ एलोवेरा भी स्किन को हाइड्रेट करता है। आधा खीरा लें और उसे छिलकर ब्लेंड कर लें। अब इसे छानकर इसमें से रस निकाल लें।

इसमें दो चम्मच एलोवेरा जैल डालें और मिश्रण तैयार कर लें। इस मास्क से चेहरे की हल्के हाथों से मालिश करें। मालिश करने के बाद इसे 15 मिनट तक चेहरे पर ही लगा रहने दें। अब चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और ओटमील का फेस मास्क

मुंहासों वाली त्वचा के लिए ये मास्क बहुत अच्छा रहता है। खीरे में एस्ट्रिंजेंट गुण होते हैं जबकि ओटमील स्किन से मृत कोशिकाओं को हटाकर उसे एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। शहद त्वचा में बैक्टीरिया को संतुलित करने का काम कर सकता है।

आधा खीरा लें और उसे छिलकर ब्लेंड कर लें। अब इसे छानकर इसमें से रस निकाल लें। इसमें एक चम्मच ओटमील मिलाकर मिक्स करें। अब एक चम्मच शहद डालकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों से मसाज करें। इसके बाद इस मास्क को चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगा रहने दें। अब गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

फेस मास्क लगाने का तरीका

- बेहतर परिणाम के लिए मास्क लगाने से पहले हमेशा चेहरे को साफ कर लेना चाहिए। फेस मास्क लगाते हुए स्किन की सर्कुलर मोशन (गोल-गोल घुमाते हुए) में मालिश करें।
- इससे मास्क में इस्तेमाल की गई सभी चीजें अच्छी तरह से रोमछिद्रों के जरिए स्किन के अंदर पहुंच पाती हैं। ये त्वचा पर रक्त प्रवाह को भी तेज करता है।
- फेस मास्क को चेहरे पर कम से कम 10 से 15 मिनट तक लगा रहने दें और फिर गुनगुने या ठंडे पानी से चेहरा धो लें। गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे त्वचा रूखी और जल सकती है।
- हफ्ते में दो या तीन बार से ज्यादा फेस मास्क न लगाएं। इससे स्किन पर प्राकृतिक तेलों का संतुलन बिगड़ सकता है।

प्रेग्नेंसी में अंगूर खाने से क्या लाभ मिलते हैं?

गर्भावस्था में महिलाओं को न सिर्फ अपने बल्कि अपने शिशु के लिए भी संतुलित आहार लेना होता है। इससे मां के साथ-साथ शिशु भी स्वस्थ रहता है। प्रेग्नेंसी में महिलाओं को कई तरह के फल खाने के लिए कहा जाता है जिनमें से एक अंगूर भी है। हालांकि, प्रेगनेंट महिलाओं को अपनी डायट में अंगूर को शामिल करने से पहले ये जान लेना चाहिए कि इससे उन्हें और उनके गर्भस्थ शिशु को क्या लाभ और नुकसान होगा।

क्या प्रेगनेंसी में अंगूर खाना चाहिए

डॉक्टरों की मानें तो सीमित मात्रा में अंगूर खाना सुरक्षित और सेहत के लिए फायदेमंद भी है। इसका कारण यह है कि अंगूर खनिज पदार्थों, विटामिन और कई अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं। हालांकि, कोई भी चीज अधिक मात्रा में खाने से नुकसान ही होता है इसलिए प्रेग्नेंसी में अंगूर भी ज्यादा न खाएं। इनमें फरूक्टोज नामक प्राकृतिक शुगर होता है। अगर प्रेगनेंट महिला को जेस्टेशनल डायबिटीज है तो उनकी समस्या अधिक अंगूर खाने से बढ़ सकती है।

अंगूर के पोषक तत्व

अंगूर में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फाइबर, फरूक्टोज, मैंगनीज, कोबाल्ट, रेसपेराट्रोल, पेक्टिन, फोलिक एसिड, सिट्रिक एसिड, मैलिक एसिड, टारटरिक एसिड के अलावा विटामिन जैसे कि विटामिन के, विटामिन ई के साथ कई तरह के विटामिन बी मौजूद होते हैं।

प्रेग्नेंसी में अंगूर खाने के फायदे

- अंगूरों में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम होता है जो कि प्रेग्नेंसी के दौरान ऐंठन से राहत पाने में मदद कर सकता है।
- इनमें मौजूद आयरन प्रेग्नेंसी में एनीमिया होने से रोकता है और हीमोग्लोबिन लेवल को संतुलित करता है।
- गर्भावस्था में इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, अंगूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो इम्युनिटी को बेहतर करते हैं।
- अंगूर में पानी और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं जो प्रेग्नेंसी में जोड़ों में दर्द को कम करती है।
- अंगूर में उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो गर्भावस्था में कब्ज का इलाज करने में मददगार है।

प्रेग्नेंसी में अंगूर खाने से शिशु को लाभ

- अंगूर में सोडियम संतुलित मात्रा में होता है जो शिशु के तंत्रिका तंत्र के विकास में मदद करता है।
- फ्लेवेनोल और विटामिन ए से भरपूर अंगूर शिशु की आंखों के विकास के लिए जरूरी होता है।
- इसमें रेसवेराट्रोल होता है जो मां के कोलेस्ट्रोल को ठीक कर गर्भस्थ शिशु के दिल को दुरुस्त रखता है।
- अंगूर से एलर्जी होने पर
- जेस्टेशनल डायबिटीज में।
- पेट में अल्सर या पाचन मार्ग से जुड़ी कोई अन्य समस्या होने पर।
- हाई ब्लड शुगर में भी अंगूर खाने से बचना चाहिए।

गर्भावस्था में अंगूर खाने के नुकसान

- प्रेग्नेंसी में अधिक मात्रा में अंगूर खाने से ब्लड शुगर असंतुलित हो सकता है, वजन बढ़ने, सीने में जलन और जीईआरडी की समस्या हो सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- अंगूर में प्राकृतिक रूप से शुगर होता है। अंगूर का रस पीने पर इस फल के डायट्री फाइबर नष्ट हो जाते हैं। बहुत ज्यादा अंगूर का रस पीने से ब्लड शुगर लेवल को नुकसान पहुंच सकता है।
- अंगूर एसिडिक होते हैं इसलिए इन्हें खाली पेट खाने से अपच हो सकती है।
- अगर आपका पेट कमजोर है तो प्रेग्नेंसी में काले अंगूर खाने पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।
- अगर आपको जीईआरडी की प्रॉब्लम है तो अंगूर खाने से बचें।

इस प्रकार गर्भावस्था में अंगूर का सेवन मां और बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद रहता है। प्रेग्नेंसी में अपने संतुलित आहार में अंगूर को जरूर शामिल करें।

नवजात शिशु की मालिश करने का तरीका

शिशु की मालिश करने के कई लाभ होते हैं। इससे बच्चे को आपका दुलार महसूस होता है और आप दोनों के बीच एक मजबूत रिश्ता बन जाता है। मालिश से शिशु को आराम भी मिलता है जिससे उसे अच्छी नींद आती है। कुछ अध्ययनों की मानें तो बेबी मसाज से शिशु का सही विकास होने में भी मदद मिल सकती है। हालांकि, अभी इस दिशा में और रिसर्च किए जाने की जरूरत है। हम सभी जानते हैं कि नवजात शिशु के लिए मालिश कितनी जरूरी है लेकिन बहुत कम लोग ही इस बात से वाकिफ होते हैं कि शिशु के मालिश कब शुरू करनी चाहिए और मालिश करने की विधि क्या है।

शिशु की मालिश करने के फायदे

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंफैंट मसाज के अनुसार मालिश करने से शिशु का परिसंचरण और पाचन तंत्र उत्तेजित करने में मदद मिल सकती है। इससे बच्चों में गैस, ऐंठन, कोलिक, कब्ज जैसी समस्याओं का इलाज हो सकता है। मालिश से मांसपेशियों में तनाव भी कम होता है और दर्द एवं दांत निकलने पर होने वाली दिक्कतों से भी राहत मिलती है।

जिन बच्चों को जन्म नौ महीने से पहले हो जाता है, उनका भी मालिश से अच्छा विकास होने में मदद मिल सकती है। अगर आपके शिशु को कोई स्वास्थ्य समस्या है तो मालिश करने से पहले एक बार बाल चिकित्सक से बात जरूर कर लें।

नवजात शिशु की मालिश कब करें

शिशु के जन्म के कुछ हफ्तों बाद आप मालिश करना शुरू कर सकते हैं लेकिन इसके लिए आपको बच्चे के मूड का भी खास ख्याल रखना है। मसाज के समय पर शिशु शांत और सचेत होना चाहिए। मालिश करने का तरीका ऐसा न अपनाएं जो बच्चे को सहज महसूस करवाए। मायो क्लीनिक के अनुसार अगर बच्चा मालिश करने के दौरान बांह को सख्त कर लेता है या सिर को पीछे खींचता है तो इसका मतलब है कि वो मालिश करवाने के लिए तैयार नहीं है। शिशु को मसाज देने का सही समय स्तनपान करवाने के कम से कम 45 मिनट बाद होता है। स्तनपान करवाने के तुरंत बाद मालिश करने से शिशु को उल्टी हो सकती है।

नवजात शिशु की मालिश कितनी बार करनी चाहिए

कितनी बार मालिश करनी है, ये निर्णय आप पर और आपके शिशु पर निर्भर करता है। कुछ माता-पिता रोज बच्चे की मालिश करते हैं जबकि कुछ पैरेंट्स हफ्ते में तीन दिन बेबी मसाज करते हैं। दिन की अच्छी शुरुआत के लिए आप सबुह के समय मालिश कर सकते हैं। वहीं रात को मसाज करने से बच्चे को अच्छी नींद आती है।

नवजात शिशु की मालिश करने का तरीका

शिशु मालिश करने के लिए आपको सही तरीका पता होना चाहिए। 6 महीने के बच्चे की मालिश बहुत ही हल्के हाथों से करनी चाहिए। अगर आपको नवजात शिशु की मालिश करना नहीं आता है तो घर में किसी बुजुर्ग महिला या सदस्य से पूछ सकते हैं।

- मसाज के लिए घर के भीतर या छत या बालकनी में शांत वातावरण होना चाहिए।
- नाखूनों को काटकर रखें और ज्वेलरी न पहनें। मालिश से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें।
- अब बच्चे को पीठ के बल लिटाएं और उसके कपड़े उतार लें। मालिश के दौरान शिशु की आंखों में देखना जरूरी होता है।
- मालिश करते हुए उससे बात करते रहें। अब अपने हाथों पर तेल डालें और उसे बच्चे के कानों पर मसलें। इससे शिशु को मालिश के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी।
- मालिश टांगों से शुरू करें और फिर एड़ी तक आएं। अब कंधों, बांह और सीने पर हाथों को गोल-गोल घुमाते हुए मालिश करें।
- छाती की मालिश करते समय हाथों को जरा नरम रखें। अब शिशु को पेट के बल लिटाकर पीठ और कूल्हों आदि की मसाज करें। पैरों के तलवों और हथेलियों पर भी मसाज देना न भूलें।
- आखिर में बच्चे की सिर की मालिश करें।
- बेबी मसाज एक बहुत ही बढिया थेरेपी है जिससे बच्चे को आराम मिलता है। अगर पहली बार में बच्चा मालिश से खुश नहीं होता है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है।

प्रेगनेंट महिलाओं को बिलकुल नहीं करने चाहिए घर के ये काम

गर्भावस्था का समय बहुत नाजुक होता है। इस दौरान महिलाओं का वजन बढ़ जाता है तो वहीं दूसरी ओर उनके शरीर में कई तरह के बदलाव भी आते हैं। गर्भ में शिशु होने के कारण पेट का वजन भी बढ़ जाता है जिसकी वजह से महिलाओं को कुशलता से काम करने में भी दिक्कत आती है। ऐसे में घर के काम करने तो जरूरी होते हैं लेकिन प्रेगनेंट महिलाओं को इस नाजुक समय में घर के कुछ कामों से बिलकुल दूरी बना लेनी चाहिए। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि प्रेग्नेंसी में घर के कौन-से काम नहीं करने चाहिए और किन घरेलू कामों को गर्भवती महिलाएं आसानी से कर सकती हैं।

क्या प्रेग्नेंसी में घरेलू काम करना सुरक्षित है

इस मामले में आपको थोड़ा संतुलन बनाकर चलना पड़ेगा। प्रेग्नेंसी में ज्यादा तनाव वाले काम करने से बचें। कठिन काम करने से थकान तो जल्दी होगी ही साथ ही ये आपके स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं रहेगा। वहीं अगर आप कुछ भी काम नहीं करती हैं या गतिहीन जीवनशैली अपना लेती हैं तो इसका दुष्प्रभाव आपकी प्रेग्नेंसी पर पड़ सकता है। इसलिए आपको घर के ऐसे काम करने चाहिए जो आपके लिए सुरक्षित हों।

गर्भावस्था में कर सकती हैं घर के ये काम

- प्रेग्नेंसी में बड़ी आसानी से सब्जियां को काटने और साफ करने का काम किया जा सकता है। कई महिलाएं खड़े होकर सब्जियां काटती हैं जबकि प्रेग्नेंसी में ऐसा करना है। आपको बैठकर ये काम करना चाहिए।
- आप लंबे हैंडल वाली झाड़ू और पोछे का इस्तेमाल कर घर की सफाई भी कर सकती हैं। झाड़ू या पोछा लगाने के लिए ज्यादा झुकने की जरूरत नहीं है। अगर इस काम को करने में आपको दिक्कत हो रही है तो तुरंत छोड़ दें।
- गर्भवती महिलाएं बाथरूम की सफाई भी कर सकती हैं। इसमें ईको फ्रेंडली क्लीनिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें। प्रेग्नेंसी में सफेद सिरका, नींबू का रस और बेकिंग सोड़ा का इस्तेमाल सुरक्षित होता है।
- आप घर पर बर्तन धोने का काम भी कर सकती हैं लेकिन 15 से 20 मिनट से ज्यादा समय तक खड़ी न रहें।

प्रेग्नेंसी में न करें ये घरेलू काम

अगर आप प्रेगनेंट हैं तो नीचे बताए गए काम बिलकुल न करें :

ज्यादा भारी सामान:- प्रेग्नेंसी में कमर दर्द पहले से ही रहता है। ऐसे में भारी वजन उठाना आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। पानी की बाल्टी, राशन का सामान जैसी भारी चीजों को उठाने की गलती न करें।

केमिकल युक्त चीजें:- साफ-सफाई के लिए केमिकल युक्त चीजों की बजाय प्राकृतिक उत्पादों जैसे कि सिरके या बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें। इनके इस्तेमाल के दौरान हमेशा दस्ताने पहनकर रखें और मुंह को भी ढक कर रखें। प्रेग्नेंसी में आपको केमिकल युक्त क्लीनिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल बिलकुल नहीं करना है।

सीढियां चढ़ना:-प्रेग्नेंसी में सीढियां चढ़ने के लिए भी मना किया जाता है।

लॉकडाउन में भी आएगी अच्छी नींद, अपनाएं यह तरीका

हमारी यंग जनरेशन थकान शारीरिक थकान के बजाय मानसिक थकान से अधिक परेशान रहती है। इसकी बड़ी वजह है उनका वर्क प्रोफाइल, जिनमें वे मानसिक रूप से पस्त हो जाते हैं लेकिन शारीरिक रूप से एक कैलोरी भी कंज्यूम नहीं होती... ऐसी स्थिति में रोज की थकान, स्ट्रेस, चिड़चिड़ापन आदि होना आम बात है। इस समय कोरोना के चलते तो लॉकडाउन का स्ट्रेस भी लोगों को चैन से सोने नहीं दे रहा है। अगर आप भी इस तरह की समस्या से जूझ रहें हैं तो यहां बताए गए तरीके से किसी भी एक तेल से रात को मसाज करें। आपकी थकान मिट जाएगी, दर्द दूर होगा और मासिक शांति मिलेगी...

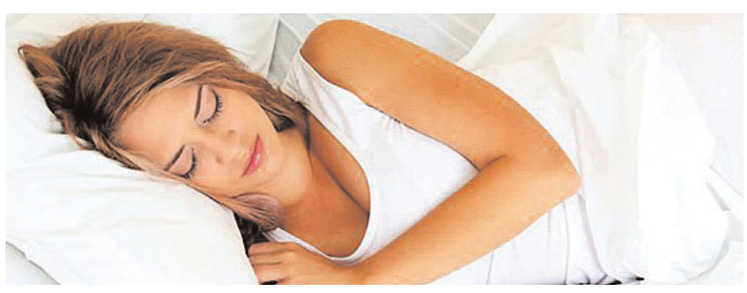

सबसे पहले इसे समझें

सबसे पहले आप यह बात जान लें कि आपको इन तेलों का उपयोग कैसे करना है। ये सभी तेल असेंशियल होते हैं इसलिए बहुत महंगे होते हैं। इस कारण और इनकी खूबियां शरीर में सही तरीके से सोखी जा सकें, इस कारण भी इन तेलों को ऑलिव ऑइल या नारियल तेल के साथ मिलाकर डायल्यूट कर लेना चाहिए। इसके बाद इनसे शरीर की अच्छी तरह मसाज करनी चाहिए।

रोजमेरी ऑइल

रोजमेरी असेंशियल ऑइल को पुराने वक्त में यादाश्त बढ़ाने की औषधि के रूप में भी उपयोग किया जाता था। इस बात से आप समझ सकते हैं कि कितना उपयोगी है यह तेल। रोजमेरी ऑइल की भाप लेने से सिरदर्द में तुरंत आराम मिलता है। यह जोड़ों के दर्द में राहत देने का काम भी करता है। यानी ऑफिस की पूरी थकान एक पल में गायब।

लैवंडर ऑइल

लैवंडर ऑइल की खुशबू मन को शांत करती है। इससे हमारा मेंटल स्ट्रेस लूज होता है। इसकी स्वीट स्मेल सूदिंग और बेहद रिलैक्सिंग होती है।

वंदे मातरम् मां भारती की साधना और आराधना की प्रेरक अभिव्यक्ति:प्रधानमंत्री

मातृभूमि की स्तुति में रचा गया 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति की सबसे प्रबल प्रेरणा : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'वंदे मातरम्' राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक दिन को छत्तीसगढ़ में भी बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया। इस अवसर पर सभी ने वंदे मातरम के उद्घोष के साथ आज़ादी की राष्ट्रीय चेतना का पुण्य स्मरण किया और अमर बलिदानियों को नमन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि वंदे मातरम् मां भारती की साधना और आराधना की प्रेरक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गान का एक प्रवाह, एक लय और एक तारतम्य हृदय को स्पंदित कर देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' का मूल भाव मां भारती है — यह भारत की शाश्वत संकल्पना, स्वतंत्र अस्तित्व-बोध और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' भारत की आज़ादी का उद्घोष था, जिसने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने और स्वाधीन भारत के स्वप्न को साकार करने की प्रेरणा दी। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत क्रांतिकारियों की आवाज़ बना और यह केवल प्रतिरोध का स्वर नहीं, बल्कि आत्मबल जगाने वाला मंत्र बन गया। श्री मोदी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' में भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, संस्कृति और समृद्धि की कहानी समाहित है। विदेशी आक्रमणों और अंग्रेज़ों की शोषणकारी नीतियों के बीच 'वंदे मातरम्' ने समृद्ध भारत के स्वप्न का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत के नए स्वरूप का उदय देख रही है, जो अपनी परंपरा, आध्यात्मिकता और आधुनिकता के समन्वय से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना स्वतंत्रता संग्राम के समय था, और यह गीत सदैव हमारे हृदयों में अमर रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह गीत मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम, कृतज्ञता और राष्ट्रधर्म की भावना का शाश्वत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश ने एक स्वर में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन कर मातृभूमि की वंदना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के वर्षभर चलने वाले स्मरणोत्सव का आज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रव्यापी शुभारंभ इस कालातीत रचना के 150 वर्ष पूरे होने का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवसर पर वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा स्मारक सिक्के का जारी होना एक ऐतिहासिक स्मृति है। बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम् गीत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा रहा है, जिसने सदैव राष्ट्रीय गौरव, एकता और आत्मसम्मान की ज्योति प्रज्वलित की है। यह मातृभूमि की शक्ति, समृद्धि और दिव्यता का प्रतीक है, साथ ही भारत की एकता और आत्मगौरव की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 7 नवम्बर 1875 को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस कालजयी रचना की सृष्टि की थी, जिसे बाद में उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंद मठ' में शामिल किया गया। मातृभूमि की स्तुति में रचा गया यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति की सबसे प्रबल प्रेरणा बना। अनेक क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् कहते हुए हँसते-हँसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए। वंदे मातरम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बन गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 1905 में बंगाल विभाजन के समय 'वंदे मातरम्' ने स्वदेशी आंदोलन को नई ऊर्जा दी। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक यह गीत सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रभक्ति का मंत्र बन गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' सुनते ही हृदय में ऊर्जा, गर्व और देशभक्ति का संचार होता है। यह गीत हमें स्मरण कराता है कि हमारी भूमि, जल, अन्न और संस्कृति ही हमारी जीवनदायिनी शक्ति हैं। उन्होंने कहा, यूरोप में भूमि को 'फादरलैंड' कहा जाता है, लेकिन भारत में हम अपनी भूमि को 'मातृभूमि' कहते हैं। यह भाव रामायण के श्लोक जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी में प्रकट होता है। 'वंदे मातरम्' भी इसी भाव से जन्मा हमारा ध्येय-वाक्य है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस पहल से भावी पीढ़ी को हमारे अतीत के संघर्षों और 'वंदे मातरम्' जैसी अमर रचनाओं की आज़ादी की लड़ाई में भूमिका के बारे में जानने का सुंदर अवसर मिलेगा। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लें और इसे भारत माता तथा छत्तीसगढ़ महतारी को समर्पित करें। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित स्मारक सिक्का तथा डाक टिकट का विमोचन किया। साथ ही, इस अवसर पर 'वंदे भारत पोर्टल' का शुभारंभ भी किया। इस पोर्टल के माध्यम से देशवासी अपनी आवाज़ में 'वंदे मातरम्' रिकॉर्ड कर इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ सकते हैं। यह पहल लोगों को भारत की गौरवशाली विरासत का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री साय ने प्रदर्शनी का विस्तार से अवलोकन करते हुए 'वंदे मातरम्' के सृजन से लेकर इसके राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बनने तक की ऐतिहासिक यात्रा का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारत के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम के दौर की अनेक अनकही कहानियों को उजागर करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी नई पीढ़ी को देश की आज़ादी के मूल भाव और 'वंदे मातरम्' की प्रेरक भूमिका से परिचित कराती है।

25 वर्षों में फसल क्षेत्र दोगुना, बीज वितरण में 10 गुना वृद्धि

बस्तर में कृषि क्रांतिः धान के वाजिब दाम से किसानों की बढ़ी खुशहाली, बस्तर बन रहा 'धान का कटोरा'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनों और पहाड़ियों की गोद में बसे बस्तर ने पिछले 25 वर्षों में एक ऐसी कृषि क्रांति देखी है, जिसने जिले की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर ही बदल दी है। कभी जहां खेती-किसानी कठिनाईयों से घिरी थी, वहीं आज खेत लहलहा रहे हैं और किसानों के चेहरों पर खुशहाली की चमक दिखाई दे रही है। यह परिवर्तन बस्तर के मेहनतकश अन्नदाताओं की अथक मेहनत, राज्य सरकार की किसानोन्मुख नीतियों और कृषि विभाग के निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

वर्ष 2000 में जिले का कुल फसल उत्पादन क्षेत्र 1.58 लाख हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 2 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। यानी करीब 26 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि।

यह विस्तार बस्तर के उन दुर्गम इलाकों तक पहुँचा है, जहाँ कभी असमतल भूमि और पहाड़ी ढलानों पर खेती करना चुनौतीपूर्ण था। इस बदलाव के पीछे विभाग की योजनाओं, जल संरक्षण कार्यों और किसानों को समय पर तकनीकी सहायता का बड़ा योगदान रहा है। वर्ष 2000 में जिले में 3,109 क्विंटल बीज किसानों को उपलब्ध कराए गए थे, जो अब बढ़कर 32 हजार 253 क्विंटल तक पहुँच चुके हैं। कृषि कार्यों में 10 गुना की अद्भुत वृद्धि को दर्शाता है। उच्च गुणवत्ता वाले, रोग-प्रतिरोधी बीजों की उपलब्धता ने किसानों की उत्पादकता को नई ऊँचाई दी है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम गुनपुर के किसान नकुल भारती ने बताया कि पहले अच्छे बीज के लिए शहर जाना पड़ता था, अब गाँव में ही आसानी से मिल जाता है। नई तकनीक और बीजों ने हमारी खेती का रूप ही बदल दिया है। किसान के उत्पादों से मिला आत्मबल: राज्य सरकार द्वारा किसानों को धान का वाजिब दाम दिलाने के लिए की गई नीति सुधारों से बस्तर के किसानों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन आया है। वर्ष 2000 में जहां धान का समर्थन मूल्य मात्र 510 रुपये प्रति क्विंटल था, जो अब बढ़कर 3,100 रुपये तक पहुँच चुका है।

इसी प्रकार, ग्रेड-ए धान का मूल्य 540 रुपये से बढ़कर 3,100 रुपये हो गया है। यह छह गुना से अधिक की वृद्धि किसानों के जीवन में आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है। ग्राम कलचा की महिला किसान जयंती बघेल ने मुस्कुराते हुए कहा कि पहले खेती से बस गुजारा चलता था, अब बच्चों की पढ़ाई और घर की जरूरतें पूरी हो रही हैं।

आधुनिक तकनीक और नई सोच की दिशा में कदम

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जैसी योजनाओं ने बस्तर के किसानों को नई दिशा दी है। कृषि विभाग अब मिलेट्स, दलहन और तिलहन फसलों को बढ़ावा देने के साथ-साथ जैविक खेती पर भी जोर दे रहा है। पिछले 25 वर्षों में बस्तर का यह परिवर्तन केवल कृषि का विकास नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनर्जागरण की कहानी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कृषि, जल संसाधन और सहकारिता विभागों के समन्वित प्रयासों से आज बस्तर आत्मनिर्भर, समृद्ध और हरित हो रहा है।

सिंचित क्षेत्र में हुई सात गुना की वृद्धि

जहाँ वर्ष 2000 में सिंचाई की सुविधा केवल 3 हजार 669 हेक्टेयर भूमि तक सीमित थी, वहीं आज यह बढ़कर 24 हजार 280 हेक्टेयर तक पहुँच चुकी है। तालाबों के जीर्णोद्धार, नहरों के विस्तार और ड्रिप एवं स्प्रिंकलर इरिगेशन जैसी आधुनिक तकनीकों ने सूखे इलाकों को भी हरा-भरा बना दिया है। इन प्रयासों से फसल चक्र मजबूत हुआ है और किसानों की जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता भी बढ़ी है। उप संचालक कृषि राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि विभाग किसानों को प्रशिक्षण देकर उन्नत तकनीक अपनाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए सिंचाई परियोजनाओं के कार्य में लाएं गति : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने प्रदेश में संचालित सभी निर्माणाधीन एवं प्रगतिरत सिंचाई परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न हों तथा निर्माण कार्यों की गति में तेजी लाई जाए।

मुख्यमंत्री साय ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए कहा कि जल संसाधन परियोजनाएँ प्रदेश के सर्वांगीण विकास की धुरी हैं। उन्होंने कहा कि जनता को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सिंचाई परियोजनाओं का निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी निर्माणाधीन एवं प्रगतिरत सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों में गति लाने के स्पष्ट निर्देश दिए।

बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो ने मुख्यमंत्री को पावर पॉइंट प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से प्रदेश की निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद सहित जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक अंतर्गत मोहला के केवटटोला आरोग्य मंदिर ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

- क्वालिटी सर्टिफिकेशन विद कंडीशनलिटी किया प्राप्त
- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता की नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, जिसका परिणाम है कि राज्य में जहां नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। वहीं आधारभूत संरचनाओं को सशक्त भी किया जा रहा है, जिसका उदाहरण मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में देखने को मिला। जहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवटटोला ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में एक नई मिसाल कायम की है।

केंद्र ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्वालिटी सर्टिफिकेशन विद कंडीशनलिटी प्राप्त किया है। यह उपलब्धि केंद्र की समर्पित स्वास्थ्य टीम, समुदाय के सक्रिय सहयोग तथा जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों का भी परिणाम है। केंद्र ने 11 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकनकर्ता द्वारा किए गए बाह्य मूल्यांकन में 79.35 प्रतिशत स्कोर प्राप्त किया, जो गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है।

केंद्र ने सेवाओं की पहुंच, रिकॉर्ड प्रबंधन, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा रोगी संतुष्टि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार किए हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने अपनी कार्यशैली में निरंतर सुधार लाते हुए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। इस उपलब्धि में सामुदायिक सहभागिता और स्टाफ की निष्ठा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक के अनुसार केवटटोला केंद्र ने अपने प्रयासों से यह सिद्ध किया है कि समर्पित योजना और टीम भावना से ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं संभव हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोब्रागड़े ने कहा कि केवटटोला आयुष्मान आरोग्य मंदिर की यह उपलब्धि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत है। आने वाले समय में हम जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों को भी इसी दिशा में प्रोत्साहित करेंगे। यह प्रमाणन छह माह की अवधि के लिए प्रदान किया गया है, जिसके दौरान केंद्र पहचाने गए सुधार क्षेत्रों पर कार्य करेगा ताकि पूर्ण गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त किया जा सके। केवटटोला आयुष्मान आरोग्य मंदिर की यह सफलता जिले में क्वालिटी युक्त, सुलभ और जनोन्मुख स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक सशक्त कदम है।

पीडब्ल्यूडी के विधानसभा संभाग में 98 किमी में पेंच रिपेयर कार्य प्रगति पर, 26 किमी में कार्य पूर्ण

प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम जोरों पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बरसात की समाप्ति के बाद प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम जोरों पर है। रायपुर जिले में भी बरसात के कारण जिन सड़कों में गड्ढे हो गए थे या जो सड़कें खराब हो गई थी, उनमें पेंच रिपेयर का काम किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के रायपुर परिक्षेत्र में विधानसभा संभाग में कुल 96 किमी सड़क में पेंच रिपेयर का काम किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

लोक निर्माण विभाग के रायपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री पंकज मोहन कश्यप और कार्यपालन अभियंता श्री विशाल त्रिवेदी ने आज बीरगांव-उरला-बेन्द्री-कारा-बाना-गोमची-नंदनवन मार्ग, हीरापुर-जरवाय-नंदनवन मार्ग बेन्द्री पहुंच मार्ग और धरसींवा-कुरा-पण्डरभट्टा-लखना-भूमिया पण्डरभट्टा-मुरा मार्ग एवं बलौदी पहुंच मार्ग, कुरा

कोल्हान नाला मार्ग, एनएच-130 बी रायपुर-बिलासपुर मार्ग से तरपोंगी-देवरी बायपास मार्ग में मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि 26 किमी बीटी पेंच रिपेयर का कार्य पूर्ण हो गया है। टाटीबंध-हीरापुर फेरलेन मार्ग, उरला-गुमा-हीरापुर-सोनडोंगरी-तेंदुआ मार्ग, उरला-पठारीडीह मार्ग, धरसींवा-कुरा-पण्डरभट्टा-सगुनी-बेलौदी मार्ग, सोमनाथ मंदिर पहुंच मार्ग, तिल्दा-नेवरा मार्ग, नेवरा-सिनोघा-खपरी-मोहदा-हथबंद मार्ग, तिल्दा-नेवरा-कोटा-चांपा-मानपुर-कोहका-परसवानी-चिंगोरी-छछानपैरी-नोहरा मार्ग, बंगोली पहुंच मार्ग और मोहरा पहुंच मार्ग सहित अन्य मार्गों के पेंच रिपेयर का कार्य भी जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा।

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण-छत्तीसगढ़ में देशभक्ति से ओतप्रोत , उत्सवमय हुआ वातावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रगौरव और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत माहौल में आज छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में कलेक्टर विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, अमृत लाल ध्रुव सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने दूरदर्शन पर प्रसारित राष्ट्रव्यापी लाइव समारोह का अवलोकन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वंदे मातरम् 150 वर्ष' समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और एकता का प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों में अमिट राष्ट्रभावना का संचार किया।

इस अवसर पर संगीत महाविद्यालय अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने स्वरबद्ध रूप में 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति दी, जिसे सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खड़े होकर दोहराया। पूरा सभाकक्ष देशभक्ति की भावनाओं से गूंज उठा।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'वंदे मातरम्' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। यह गीत हर भारतीय के भीतर मातृभूमि के प्रति प्रेम, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस गीत की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें और नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में वर्षभर चलने वाले चार चरणों के विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की गई है—प्रथम चरण 07 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस सप्ताह), तृतीय चरण 07 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) एवं चतुर्थ चरण 01 से 07 नवम्बर 2026 (समापन सप्ताह) होगा।

इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा vandemataramvz®.in नामक विशेष पोर्टल भी प्रारंभ किया गया है, जहाँ नागरिक राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को अपने स्वर में गाकर अपलोड कर सकते हैं। इस पोर्टल पर गीत के बोल, संगीत और डिजिटल प्रमाणपत्र की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय उत्सव में अपनी सहभागिता दर्ज करा सकें।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कमांडर सुनील, सचिव एरिना समेत 7 नक्सलियों का सरेंडर

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद-धमतरी-नुआपाड़ा डिवीजन में उदंती एरिया कमेटी के 7 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर कुल 37 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में उदंती एरिया कमांडर सुनील और सचिव एरिना शामिल हैं, जिन पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। इनके साथ कमेटी सदस्य लुद्रो, विद्या, नंदिनी और मलेश ने भी सरेंडर किया है। इन पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था। इसके अलावा 1 लाख रुपए की इनामी कांती ने भी आत्मसमर्पण किया है। नक्सली अपने साथ एक एसएलआर, 3 इंसास और एक सिंगल शॉट बंदूक भी लेकर आए। सभी ने गरियाबंद पुलिस के सामने हथियार डाले हैं। कमेटी सदस्य विद्या ने बताया कि रूपेश दादा की अपील के बाद हमने सरेंडर किया है। हम डीआरजी(डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) में नहीं जाना चाहते। हथियार छोड़कर हम घर जाना चाहते हैं। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के लिए मीडिया को माध्यम बनाया। मीडिया मौके पर पहुंची और उनसे लगभग आधा घंटा चर्चा की। इस दौरान आत्मसमर्पण की इच्छा रखने वाले नक्सली लुद्रो की बात एसपी निखिल राखेचा से कराई गई। एसपी ने उन्हें सुरक्षित आत्मसमर्पण का भरोसा दिलाया, जिसके बाद उन्हें जंगल से मेन रोड तक लाया गया।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, पति की मौत, पत्नी गंभीर

राजनांदगांव। मोहगांव थाना क्षेत्र में ग्राम पैलीमेटा के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, वहीं पीछे बैठी उसकी पत्नी को गंभीर चोटें आई है। हादसा गुरुवार रात करीब 9 बजे हुआ।
पुलिस ने बताया कि ग्राम नचनिया निवासी श्याम प्रकाश (29) अपनी पत्नी उषा बाई के साथ बाइक से अपने गांव जा रहे थे। दोनों पैलीमेटा गांव के चौक के पास पहुंचे थे, तभी उन्हें विपरित दिशा से आ रही कार क्रमांक सीजी 07 एपी 0960 के चालक ने जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में पति-पत्नी सड़क पर गिर गए। दोनों को पैलीमेटा हास्पिटल पहुंचाया गया, जहां श्याम प्रकाश को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं उषा बाई की गंभीर स्थिति को देखते हुए से रेफर कर दिया गया है।

बलरामपुर में 2 युवकों को कपड़े उतरवाकर पीटा, क्रशर संचालकों ने रस्सी-पाइप से बांधा

बलरामपुर । छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में क्रशर संचालकों ने पेट्रोल-डीजल चोरी के शक में दो युवकों के कपड़े उतरवाए। जिस युवक को बांध कर पीटा गया, वह क्रशर प्लांट में पोकलेन मशीन का ऑपरेटर है। क्रशर संचालकों की दबंगई के वीडियो वायरल होने के बाद 6 नामजद आरोपियों समेत कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जानकारी के मुताबिक, दो दिन पहले क्रशर संचालक और साथियों ने दो युवकों के कपड़े उतरवाकर उनकी पिटाई की थी। युवक को जमीन पर गिराकर कुछ लोगों ने जूते और लात से उसकी पिटाई की। ऑपरेटर विजय सारथी और मुंशी वरूण शर्मा शामिल है। विजय सारथी पिछले तीन सालों से कर्रा निवासी अखिलेश गुप्ता के यहां पोकलेन ऑपरेटर का काम कर रहा था। दोनों युवकों को भेलाई स्थित दीपक गर्ग के क्रशर में बुलाकर बेरहमी से पीटा और उन पर चोरी स्वीकार करने का दबाव बनाया।

दुर्ग जिले में एक और हत्या, उतई में पांच लोगों की पिटाई से गई युवक की जान, पुलिस की गिरफ्त में सभी आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में हत्या जैसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। ताजा मामले में उतई थाना क्षेत्र में पांच लोगों की पिटाई से एक युवक की जान चली गई। गुरुवार की सुबह युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली। मामले में उतई पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक गुरुवार की सुबह एक युवक की लाश उतई बस स्टैंड के पास मिली थी। लाश मिलने की सूचना पर उतई पुलिस की पेट्रोलिंग टीम वहां पहुंची। लाश का मुआयना करने पर किसी भी तरह का बाहरी चोट नजर नहीं आने पर पुलिस ने एक बारगी स्वाभाविक मौत मान लिया और मृतक की शिनाख्ती की कवायद शुरू कर दिया। थोड़ी देर में मृतक की पहचान मूलत: बिहार के रहने वाले राहुल रजक के रूप में हो गई। कुछ दिन पहले तक राहुल रजक उतई में स्थित विजय पाण्डेय के आरा मिल में काम करता था। हत्या के इस मामले में उतई पुलिस ने विजय पाण्डेय के ही आरा मिल में काम करने वाले अटल पाण्डेय, अंजनी, अमरनाथ प्रजापति, अक्षय कुमार और राहुल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी उत्तर प्रदेश व बिहार के रहने वाले हैं। यहां उतई में रहकर वे विजय पाण्डेय के आरा मिल में काम करते थे। एसडीओपी पाटन अनूप लकरा ने बताया कि विजय पाण्डेय के आरा मिल में सोनू रजक ठेकेदार था। सोनू रजक ने अपने भाई राहुल रजक को बिहार से यहां बुलाकर विजय पाण्डेय के आरा मिल में नौकरी लगाया

था। राहुल रजक का अपने साथ काम करने वाले दूसरे कर्मचारियों से बर्ताव ठीक नहीं था। राहुल रजक अक्सर बिना किसी कारण के साथी कर्मचारियों से गाली गलौज करता था। इसलिए राहुल रजक के साथ कोई भी कर्मचारी काम नहीं करना चाहते थे। कर्मचारियों ने इस बात से आरा मिल मालिक विजय पाण्डेय को अवगत करा दिया। इसके बाद विजय पाण्डेय ने सोनू और राहुल रजक को हिसाब कर काम से निकाल दिया।

काम छूटने पर सोनू रजक वापस बिहार लौट गया। लेकिन राहुल रजक यहीं पर रह रहा था। बुधवार की रात को राहुल आरा मिल के पास कर्मचारियों के रहने के लिए बने कमरे में सोने चला गया। इसका आरा मिल मालिक विजय पाण्डेय के भाई का साला अटल पाण्डेय सहित अंजनी, अमरनाथ प्रजापति, अक्षय कुमार और राहुल सिंह ने विरोध किया। पांचों ने राहुल रजक को कमरे से निकलने को कहा तो विवाद बढ़ गया। पांचों युवकों ने राहुल रजक की पिटाई कर दी। राहुल की हालत खराब होने पर उसे पानी पिलाया। फिर राहुल के कहने पर उसे मोटर साइकिल में उतई बस स्टैंड छोड़कर लौट आए।

अगली सुबह गुरुवार को राहुल रजक बस स्टैंड में मृत हालत में मिला। मृतक के शरीर में किसी प्रकार का चोट का निशान देखने को नहीं मिला। लेकिन शार्ट पीएम में अंदरुनी चोट का पता चलने पर जांच हुई तो मामला हत्या का निकलने पर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

होटल के पीछे झाड़ियों में मिली युवक की जली लाश :बिलासपुर में हत्या के बाद केमिकल डालकर जलाने की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में तिफरा क्षेत्र के खुशी विहार के पास होटल ग्रांड लोटस के पीछे एक युवक की जली हुई लाश मिली है। शव का अधिकांश हिस्सा जलने के कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस को शक है कि युवक की हत्या कर साक्ष्य और पहचान मिटाने के लिए लाश को जला दिया गया होगा।

मौके पर मिले हाथ-पैर के अवशेष और कपड़े के टुकड़ों के आधार पर पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर पहचान की कोशिश कर रही है। घटना शुक्रवार सुबह सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, शव जलाने के लिए स्पिरिट जैसे ज्वलनशील केमिकल का इस्तेमाल किया गया है, क्योंकि शव 80प्रतिशत तक जला हुआ था। तिफरा के मन्नाडोल जाने वाली पगडंडी के किनारे झाड़ियों के बीच यह

अधजली लाश मिली। मोहल्ले के लोगों ने शव को देखकर घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर लोगों से पूछताछ की, लेकिन शव की पहचान से जुड़ी कोई जानकारी नहीं मिली। शरीर 80प्रतिशत तक जल जाने से न दाग मिले, न निशान, न हुलिया की पहचान हो सकी। फोरेंसिक टीम को भी वहां संघर्ष या पैरों के निशान जैसे सबूत नहीं मिले। थाना प्रभारी किशोर केंवट ने बताया कि मन्नाडोल के लोग इस पगडंडी और झाड़ियों वाले इलाके से कम ही गुजरते हैं। केवल कुछ लोग शौच के लिए जाते हैं। मृतक की उम्र लगभग 25 से 35 वर्ष है। शव लगभग दो दिन पुराना माना जा रहा है। पुलिस मर्ग कायम कर आसपास के क्षेत्रों में दर्ज मिसिंग रिपोर्ट को क्रॉस-चेक कर रही है।

घटनास्थल से बाहर निकलने के कई रास्ते हैं। पक्की सड़क के किनारे कुछ ही भवनों में कैमरे लगे हैं। इसलिए यह मामला पुलिस के लिए चुनौती बन गया है। सूचना के बाद पुलिस की एक टीम संभावित रूटों के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है, लेकिन देर शाम तक कैमरों से कोई खास सुराग नहीं मिला।

शव को जलाने में स्पिरिट जैसे केमिकल का इस्तेमाल

शव लगभग पूरी तरह जल चुका है। आमतौर पर पेट्रोल, डीजल या मिट्टी तेल से जलाने पर शव अधजला मिलता है। इस वजह से पुलिस और फोरेंसिक टीम का अनुमान है कि शव जलाने के लिए स्पिरिट जैसे ज्वलनशील केमिकल का इस्तेमाल किया गया होगा। हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

कोल कम्पनी ने लिया लोको पायलट की बेटियों की शिक्षा व विवाह का जिम्मा, हादसे में 11 की हुई थी मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर रेल हादसे में मृत लोको पायलट विद्यासागर कुशवाहा की तीनों बेटियों की शिक्षा एवं विवाह का जिम्मा क्लीन कोल इन्टरप्राईजेस प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी ने लिया है। कम्पनी के संचालक संजय अग्रवाल ने लिखित पत्र जिला कलेक्टर एवं डीआरएम रेल्वे बिलासपुर को सौंपा है। कम्पनी ने हादसे में मृत लोगों के बच्चों की संपूर्ण शिक्षा में सहयोग करने का भी वचन दिया है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंगलवार को भीषण रेल हादसा हुआ था। हादसे में लोको पायलट समेत 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई यात्री घायल हैं। हादसा इतना भीषण था कि पैसेंजर ट्रेन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गई थी। मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख के

मुआवजे की घोषणा

रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है, जबकि मामूली रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

मेकाहारा में बुरका पहनी महिलाओं ने फेंका भ्रूण अलग-अलग गाड़ी से पहुंचे, तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के अंबेडकर अस्पताल (मेकाहारा) परिसर में 7 नवंबर की सुबह भ्रूण मिला था। सीसीटीवी कैमरे में भ्रूण छोड़ने वालों का चेहरा सामने आया है। फुटेज में दो महिला और दो पुरूष दिखाई दिए है, जिन्होंने यब भ्रूण छोड़ा। मामला मौदहापारा थाना क्षेत्र का है। अस्पताल के फुटेज में सुबह 5 बजकर 25 मिनट में 2 अलग-अलग गाड़ी से पहुंची बुरके वाली महिलाओं को संदिग्ध गतिविधि करते हुए देखा गया है। महिला जहां पर जाकर रुकी थी, वहीं से पुलिस को भ्रूण मिला है। पुलिस ने महिलाओं और उनके साथ पहुंचे पुरूषों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि दोनों महिलाएं अलग-अलग गाड़ी से अस्पताल पहुंचे थे। ये अस्पताल परिसर में 3 मिनट तक रुके और वहां से फिर रवाना हो

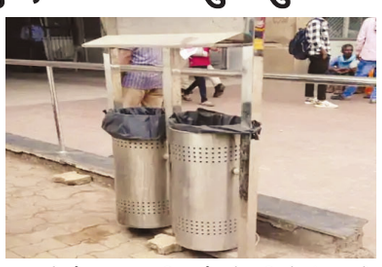

गए। ये केवल डस्टबिन के ईद-गिर्द मंडरा रहे थे। घटना के बाद सूचना पर पहुंची मौदहापारा पुलिस ने अस्पताल परिसर के चार कर्मचारियों से भी पूछताछ की है। वहीं घटना होने के बाद अस्पताल की सिक्योरिटी पर भी सवाल खड़े हो रहे है। अस्पताल परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से प्रबंधन ने बंदूकधारी सिक्योरिटी और डंडाधारी कर्मचारियों को तैनात किया है। बताया जा रहा है इनकी मौजूदगी में भ्रूण परिसर में फेंककर आरोपी फरार हो गए और उन्हें रोका भी नहीं गया।

दस साल के बच्चे की कुकर्म के बाद हत्या, बच्चे के बुआ के बेटे ने की वारदात, पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला-पेंड्रा- मरवाही में मरवाही थानाक्षेत्र में बीते 2 नवंबर को 10 वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत के मामले का मरवाही पुलिस ने खुलासा किया है। मामले को प्रारंभिक रूप से आत्महत्या माना जा रहा था पर जांच में प्रकरण के पीछे हत्या और अनैतिक कृत्य की साजिश का खुलासा हुआ है। पुलिस ने जांच में खुलासा करते हुए हत्या के मामले में रिश्ते के बुआ के बेटे को ही गिरफ्तार किया है।

10 साल के बच्चे की उसी के घर के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फाँसी में लटकी लाश मिलने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है फोरेंसिक एक्सपर्ड और मरवाही पुलिस ने मामले में जांच के बाद मृतक के बुआ के बेटे

को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस अधीक्षक एस.आर. भगत के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल और एसडीओपी मरवाही डीएसपी दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में विशेष टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। फॉरेंसिक अधिकारी शांतनु राठौर की मदद से घटनास्थल की बारीकी से जांच की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी अर्जुन (25 वर्ष), निवासी ग्राम अमझर थाना पसान को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि 1 नवंबर की रात शराब के नशे में उसने मृतक बालक के साथ अनैतिक कृत्य किया और अपराध छुपाने के लिए उसे फांसी पर लटका दिया।

पुलिस ने घटनास्थल का पुन: निर्माण कर फॉरेंसिक जांच के तहत सभी सबूत जुटाए।जांच में आरोपी के मोबाइल से अप्राकृतिक कृत्य का वीडियो भी पुलिस ने बरामद किए गए है। इस ब्लाइंड मर्डर केस के खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

रेत व गिट्टी अवैध परिवहन करते 9 वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज अमला द्वारा बीते दिनों निरीक्षण के दौरान रेत एवं गिट्टी खनिज के अवैध रूप से परिवहन करते पाए जाने पर रेत के 7 ट्रेक्टर और गिट्टी के 2 हाईवा वाहन पर खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है। रेत से भरे ट्रेक्टर ग्राम सोन नदी क्षेत्र मालटोला, पीपरडोल और कोलबिर्रा से जप्त किया गया। गिट्टी से भरे वाहन 2 हाईवा ग्राम तनेरा से अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर वाहनों को पुलिस थाना मरवाही, पुलिस चौंकि कोटमीकला एवं रक्षित केंद्र अमरपुर के सुरक्षार्थ में रखा गया है।जब्त वाहनों में वाहन क्रमांक सीजी10बीएच3073 वाहन मालिक सुनील गुप्ता निवासी ग्राम कोलबिर्रा तहसील सकोला, वाहन क्रमांक सीजी31सी8619 वाहन मालिक निलेश प्रजापति निवासी ग्राम कुम्हारी तहसील मरवाही, वाहन क्रमांक सोल्ड महेन्द्रा वाहन मालिक नर्मदा प्रसाद

निवासी ग्राम कोलबिर्रा तहसील सकोला, वाहन क्रमांक सोल्ड सोनालिका वाहन का प्रकार ट्रेक्टर वाहन मालिक अखिल ताम्रकार निवासी पेण्ड्रा तहसील पेण्ड्रा, वाहन क्रमांक सोल्ड सोनालिका वाहन का प्रकार ट्रेक्टर वाहन मालिक दीवालर राम यादव निवासी ग्राम धनपुर तहसील मरवाही, वाहन क्रमांक सीजी29एडी9744 वाहन का प्रकार ट्रेक्टर वाहन मालिक भूपेन्द्र मरावी निवासी ग्राम नगवाही तहसील पेण्ड्रा, वाहन क्रमांक महेन्द्रा सोल्ड वाहन का प्रकार ट्रेक्टर वाहन मालिक शिव कुमार चक्रवर्ती निवासी पेण्ड्रा तहसील पेण्ड्रा, वाहन क्रमांक सीजी30जी7294 वाहन का प्रकार हाईवा वाहन मालिक वकील अंसारी निवासी झारखंड एवं वाहन क्रमांक सीजी15डीजे4538 वाहन का प्रकार हाईवा वाहन मालिक आशीष प्रजापति निवासी झारखंड शामिल है।

महानदी में नाव के जरिए हो रहा रेत का अवैध उत्खनन, टीम ने दबिश देकर जब्त किए चार नाव

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में नाव के जरिए महानदी में अवैध रुप से रेत उत्खनन किया जा रहा है। इस संबंध में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिला प्रशासन की ओर से कार्रवाई की गई और रेत के अवेध उत्खनन में इस्तेमाल होने वाले चार नाव जब्त किए गए। महासमुंद जिले में अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने आज ग्राम बड़गांव स्थित महानदी रेत घाट में कार्रवाई करते हुए नियम विरुद्ध रेत निकासी में प्रयुक्त चार नौकाएँ जब्त कीं। जिला प्रशासन द्वारा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाकर निरंतर जांच और कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

रायपुर में तेज रफ्तार कार ने ली युवक की जान, हादसे के बाद भड़के लोग, किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के टेकारी रोड पर शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रहे बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौदहापारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान कुश साहू के रूप में हुई है, जो टेकारी इलाके का रहने वाला था। कुश रोज सुबह दूध वितरण का काम करता था। बताया जा रहा है कि सुबह वह किसी काम से बाइक पर निकला था, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घटना से नाराज होकर टेकारी रोड पर चक्काजाम कर दिया। गुस्साए लोग आरोपी चालक पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने की कोशिश की और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया। कुछ समय बाद भीड़ शांत हुई और यातायात धीरे-धीरे सामान्य हुआ।

तेज रफ्तार बन रही हादसों की वजह

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस इलाके में वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण नहीं है। सुबह के समय दूध और सब्ज़ी बेचने वालों की आवाजाही रहती है, ऐसे में तेज रफ्तार वाहन जानलेवा साबित हो रहे हैं।

नाम परिवर्तन

मैं अनिल कुमार पिता राम निवास उम्र 40 वर्ष, निवासी-वार्ड नं. 13, लवकुश नगर, एसीसी जामुल, पोस्ट ऑफिस-जामुल सिमेंट वर्कर्स, जिला दुर्ग (छ.ग.), जो कि निम्नलिखित कथनकर शपथपूर्वक बयान पेश करता हूं।
मैं उक्त पते पर निवास करता हूं। मेरे 10 (दसवीं) की अंकसूची में मेरी माता का नाम सहोद्रा बाई (SHODRA BAI) असावधानी वश दर्ज है। जबकी मेरी माता का सही नाम सहोद्रा बाई (SAHODARA BAI) है। जो कि मेरी माता के आधार कार्ड क्रमांक 6348 9496 8107 व पैन कार्ड BOOPB5306P में दर्ज है। मैं सर्वसाधारण को अपनी माता का सही नाम के संबंध में जानकारी प्रस्तुत करना चाहता हूं। दिनांक 29.10.2025 से समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय संस्थाओं में मेरी माता का नाम सहोद्रा बाई (SHODRA BAI) के स्थान पर सही नाम सहोद्रा बाई (SAHODARA BAI) के लिखा एवं पढ़ा जाए। मेरे द्वारा अपनी माता के नाम के संबंध में दी गई जानकारी सही एवं सत्य है।

अनिल कुमार
लवकुश नगर, एसीसी जामुल

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

सतत प्रगति पथ पर छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

बस्तर में बदलाव की बयार

- नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार
- 24,000 करोड़ रुपए के निवेश से विकास की नई उड़ान
- जांगला (बीजापुर) देश का पहला हेल्थ वेलनेस सेंटर, आयुष्मान भारत की सौगात
- नगरनार स्टील प्लांट राष्ट्र को समर्पित
- रावघाट जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना से विकास को नई रफ्तार
- 50,000 करोड़ की बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना बिजली, सिंचाई, रोजगार और पेयजल का मिलेगा लाभ

RO-45320/3

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950